तापमान
अधिकतम 34.4 डिग्री
न्यूनतम 26.2 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, मंगलवार 12 अगस्त 2025

- अतिरिक्त भवन के लिए पहले ही की जा चुकी है मांग
- जांच के लिए कुरूं शासकीय विद्यालय पहुंची टीम

जगह की कमी, इसलिए एक कक्षा में बैठा रहे 103 विद्यार्थी, बेहोश होने की वजह घुटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दहशत के कारण 400 छात्रों में से सिर्फ 60 ही पहुंचे विद्यालय, ग्रामीणों में अब भी भय

हरिभूमि फॉलोअप

कुरूं के शासकीय विद्यालय में जांच के लिए पहुंची टीम को जो हालात मिले, उसे देखकर वे भी चौंक उठे। अभनपुर के अंतर्गत आने वाले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुरूं में पिछले एक सप्ताह से प्रतिदिन छात्राएं बेहोश होकर गिर रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच टीम बनाई गई थी। टीम सोमवार को विद्यालय परिसर पहुंची। 400 दर्ज संख्या वाले इस स्कूल में कमरे कम हैं, इसलिए बच्चों को ठसाठस बैठाया जाता है। चूंकि बच्चियां लगातार बेहोश होती रही हैं, इसलिए दहशत में आज सिर्फ 60 स्टूडेंट ही मौजूद थे। टीम ने उनसे बात की और स्थिति को समझने का प्रयास किया। ऐसा माना जा रहा है कि ठसाठस बैठने की वजह से उमस और गर्मी बेहोश होने की वजह हो सकती है।

यहां बताया कि स्कूल में 9वीं कक्षा के 80 बच्चों को एक ही कक्ष में बैठाया जाता है, दूसरे कमरे में भी इतनी ही संख्या है। इसी तरह से 10वीं कक्षा के 103 बच्चों को एक ही कमरे में बैठाकर पढ़ाई कराई जाती है। 11वीं ▶▶|शेष पेज 13 पर

पंखे से आती है आवाज

क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य संदीप यदु ने बताया कि स्कूल में अतिरिक्त कक्ष के लिए उनके द्वारा पहले ही मांग शासन को भेजा जा चुका है, लेकिन इस पर अब तक कोई काम नहीं हो सका। कक्षाओं में पंखें हैं, लेकिन वे खराब हो चुके हैं और उन्हें चालु करने पर आवाजें आती हैं। पीछे बैठे छात्रों तक शिक्षक की आवाज नहीं पहुंच पाती है, इस कारण पंखा बंद करके ही पढ़ाई करवाते हैं। छात्राओं ने भी गर्मी और उमस के कारण सिरदर्द, पेटदर्द जैसी बातें कहीं।

बच्चों को नहीं भेज रहे अभिभावक

स्कूल की दर्ज संख्या 400 है, लेकिन सोमवार को सिर्फ 60 छात्र ही उपस्थित रहे। पूछने पर पता चला कि ग्रामीणों में लगातार हो रहे इस तरह की घटनाओं के बाद दहशत का माहौल है। इसके कारण वे अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज रहे हैं। छात्राएं भी दहशत में हैं। ग्रामीण जादू-टोनहे या भूत-प्रेत की आशंका जता रहे हैं। जांच टीम ने उन्हें जागरुक करते हुए इस तरह की किसी भी बात से इनकार किया। उन्होंने कहा केवल लड़कियां ही इसलिए बेहोश हो रही हैं क्योंकि वे शारीरिक रूप से लड़कों की तुलना में नाजुक होती हैं।

श्री शंकराचार्य
कॉलेज ऑफ नर्सिंग
हुडको, भिलाई (छ.ग.)
(2005 से संचालित)
नर्सिंग
B.Sc(N)
M.Sc.(N) P.B.B.Sc.(N)
7489713804, 7869513804
For Online Admission
Visit : www.sscnbhilai.com

तीन दिन की रिमांड पर लिए गए पांचों आरोपी जेल दाखिल

पाकिस्तान कनेक्शन से जुड़ा ड्रग रैकेट मकड़जाल की तरह उलझा, दो दिन में आठ संदेही हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुलिस ने उन युवकों को हिरासत में लिया, जो भारी मात्रा में खरीदते थे हेरोइन

हरिभूमि फॉलोअप

पाकिस्तान से जुड़े ड्रग रैकेट मामले में पिछले सप्ताह गिरफ्तार किए गए आरोपियों के जब्त मोबाइल नंबर के आधार पर पुलिस ने दो दिन में आठ संदेहियों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए युवक ड्रग खरीदने वाले बताए जा रहे हैं। केंद्रीय एजेंसी आईबी के साथ नारकोटिक्स तथा एटीएस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कॉल डिटेल के साथ उनके कांटेक्ट की जानकारी पुलिस से मांगी है।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के अनुसार ड्रग रैकेट मामले में पूर्व में रिमांड पर लिए गए आरोपियों से पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। उसी जानकारी के आधार पर पुलिस की टीम जांच कर रही है। एसएसपी ने ड्रग रैकेट मामले में आने वाले दिनों में महत्वपूर्ण खुलासा करने की जानकारी दी है। पूर्व में तीन-तीन दिन के लिए दो बार रिमांड पर लिए गए लवजीत सिंह, सुवित श्रीवास्तव सहित उनके पांचों साथियों से पूछताछ पूरी कर ली गई। पूछताछ के बाद पुलिस ने पांचों को कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल कर दिया है।

ड्रग लेने वालों पर पुलिस की नजर

ड्रग तस्करों के मोबाइल से पुलिस को जिन तीन सौ लोगों के नंबर मिले हैं, उनमें से ज्यादातर लोग ड्रग खरीदने वाले हैं। पुलिस को आशंका है कि जो ड्रग खरीदने वाले लोग हैं, वे भी लवजीत, सुवित के ड्रग चैनल से जुड़कर ड्रग खपाने का काम करते थे। इस वजह से पुलिस ड्रग खरीदने वाले ग्राहकों पर नजर रख रही है।

पुलिस आरोपियों की संपत्ति की जांच में जुटी, मामले में कई रईसजादों के नाम आ रहे सामने
ड्रग तस्करी का पाक कनेक्शन, चार एजेंसियां करेंगी जांच, पांच को फिर रिमांड पर लिया

पाक ड्रग कनेक्शन से जुड़े दो कुरियर ब्वॉय दबोचे गए

हिरासत में लिए गए युवक रायपुर के

ड्रग रैकेट से जुड़े होने के आरोप में पुलिस ने जाहिद सहित आठ लड़कों को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए लड़कों से पुलिस ड्रग रैकेट के संबंध में पूछताछ कर रही है। लड़कों से पूछताछ के बाद पुलिस आने वाले दिनों में और लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने के साथ गिरफ्तार करने की बात कह रही है।

ड्रग को लैब जांच के लिए भेजा

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने जो ड्रग जब्त किया है, उस ड्रग को पुलिस ने लैब में जांच के लिए भेजा है। जांच रिपोर्ट आने के बाद पता चल पाएगा कि पाकिस्तान से तस्करी कर मंगाए गए ड्रग की तासीर क्या है। लैब रिपोर्ट के आधार पर ड्रग तस्करों को कोर्ट में सजा दिलाने पुलिस को मदद मिलेगी। इस वजह से पुलिस ने ड्रग को लैब जांच के लिए भेजा है।

रायपुर में पकड़ी गई एक करोड़ की ड्रग्स, पाक कनेक्शन आया सामने

दोस्तों के साथ शराब पीते-पीते ड्रग एडिक्ट हुआ, फिर बन गया तस्कर

पाक ड्रग तस्करों से सीधा कनेक्शन

पुलिस ने अपनी पड़ताल में पाया है कि लवजीत का पाकिस्तान के ड्रग तस्करों के साथ सीधा संपर्क था। पाकिस्तान के ड्रग तस्करों के साथ लवजीत की मुलाकात यूएई तथा दुबई में हुई थी। पाक तस्करों के संपर्क में आने के बाद लवजीत ड्रग तस्करी के कारोबार में जुड़ा। पुलिस को जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक सुवित सोशल मीडिया के माध्यम से लवजीत के संपर्क में आया और उसने यहां ड्रग कारोबार फैलाने जुनैद उर्फ शेख चिला की मदद ली।

एक माह से ज्यादा समय तक निगरानी

एक पुलिस अधिकारी के अनुसार उन्हें सुवित तथा उसके साथियों द्वारा ड्रग खपाए जाने की जानकारी एक माह से ज्यादा समय से थी। ड्रग तस्करों को पकड़ने पुलिस की टीम समय का इंतजार कर रही थी। पंजाब के रास्ते भारी मात्रा में ड्रग आने की जानकारी मिलने पर पुलिस ने छापे की कार्रवाई करते हुए ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।

शुरुआती कीमत 10 हजार रुपए

पूछताछ में ड्रग तस्करों ने पुलिस को बताया है कि जिनको ड्रग लेने की आदत पड़ जाती थी, उन लोगों को शुरुआत में आठ से दस हजार रुपए प्रति एक ग्राम के हिसाब से ड्रग दिया जाता था। बार-बार डिमांड करने पर तस्कर अपने ड्रग एडिक्ट साथी से प्रति ग्राम ड्रग की कीमत 15 से 18 हजार रुपए वसूलते थे।

गाड़ी टकराने के विवाद पर डिलीवरी ब्वॉय की चाकू से गोदकर हत्या

- चंगोराभाठा में हिस्ट्रीशीटर ने दिया वारदात को अंजाम, घटना रविवार शाम की
- विधानसभा, तेलीबांधा में चाकूबाजी की दो घटना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में कानून का राज स्थापित करने पुलिस लगातार चाकूबाजों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, बावजूद इसके चाकूबाज आतंक मचा रहे हैं। राजधानी के तीन थाना क्षेत्रों में रविवार को तीन चाकूबाजी की घटना घटना हुई, जिसमें एक फूड डिलीवरी ब्वॉय की सोमवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। डीडीनगर, विधानसभा, तेलीबंधा में मामूली विवाद को लेकर चाकूबाजी की घटना हुई है। चंगारोभाठा में पिज्जा डिलीवरी करने आए हेमंत कोठारी पर ▶▶|शेष पेज 13 पर

जुआ में हारने के बाद गुस्से में था

जानकारी के मुताबिक घटना के पहले पप्पू जुआ खेल रहा था। जुआ में रकम हारने पर वह काफी गुस्से में था। वह चाकू की नोक पर किसी को लूटने के लिए निकला था। इस दौरान फूड डिलीवरी ब्वॉय की गाड़ी पप्पू की गाड़ी से टकरा गई। पप्पू ने हेमंत से अपनी गाड़ी रिपेयरिंग के लिए पैसों की मांग की। पैसा नहीं देने पर नाराज पप्पू ने हेमंत पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया।

शराब लूटने पहुंचे बदमाशों ने मारा चाकू

विधानसभा थाना क्षेत्र तथा तेलीबांधा थाना क्षेत्र में चाकूबाजी की घटना हुई है। आमासिवनी में शराब खरीदकर दुकान परिसर में खड़े सड्डू निवासी पुरुषोत्तम साहू (24) पर करण नायक तथा उसके साथी बोदू ने शराब लूटने असफल होने पर मारपीट कर चाकू से हमला कर दिया। इसी तरह केनाल रोड में शराब पीने पैसा नहीं देने पर जय नेताम के साथ मारपीट कर राजू यादव उर्फ नारे, चीकू उर्फ चंद्रशेखर ध्रुव, हनी यादव और करण बघेल उर्फ बाबू ने मारपीट कर उस पर चाकू से हमला कर दिया और फरार हो गए।

खबर संक्षेप

क्रिप्टो-जमीन में निवेश का झांसा, एक करोड़ की ठगी

रायपुर। भिलाई के एक व्यक्ति तथा अन्य ने दो लोगों के खिलाफ क्रिप्टो करेंसी एवं जमीन में रकम निवेश करने पर दोगुना मुनाफा मिलने का झांसा देकर एक करोड़ रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। भागीरथी यादव ने अभिलाष मसीह, अभिषेक प्रवीण जोसेफ के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि दोनों व्यक्ति शेयर ट्रेडिंग के साथ जमीन का कारोबार करते हैं। संपर्क करने पर उन लोगों ने भागीरथी तथा अन्य को अपने झांसे में लेकर जमीन दिखाकर सौदा कर रकम ले ली। गारंटी के रूप में स्टाम्प पेपर पर लिखा-पढ़ी कर, जमीन की रजिस्ट्री नहीं कर ठगी को अंजाम दिया।

एक सप्ताह में 60 नशेड़ी वाहन चालक धरे गए

रायपुर। राजधानी पुलिस के साथ ट्रैफिक पुलिस ने एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई करते हुए 60 नशेड़ी वाहन चालकों की गाड़ी जब्त कर उनके लायसेंस निलंबित करने परिवहन विभाग को पत्र लिखा है। जिन पांच दर्जन नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनमें से 24 वाहन चालक नशे की हालत में गाड़ी चलाते शनिवार-रविवार को पकड़े गए हैं।

किशोर का दो घंटे के भीतर रेस्क्यू, परिजनों के सुपुर्द किया

रायपुर। घर से किसी बात से नाराज होकर भागे 15 वर्षीय किशोर का राजधानी पुलिस ने बिलासपुर पुलिस से समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू किया और उसे परिजनों के सुपुर्द किया है। घटना धरसींवा थाना क्षेत्र के सिलतरा पुलिस चौकी की है। पुलिस के अनुसार, खेमचंद जैन ने अपने बेटे के गुम होने की शिकायत दर्ज कराई थी। खेमचंद का बेटा घर से इलेक्ट्रिक स्कूटर लेकर निकला था। किशोर ने ई-स्कूटर के जीपीएस लोकेशन को बंद कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने संबंधित कंपनी से संपर्क कर ई-स्कूटर का जीपीएस लोकेशन खुलवाया तो उसका लोकेशन बिलासपुर स्थित सिरगिट्टी के बाद गतौरी होने की जानकारी पुलिस को मिली। इसके बाद रायपुर पुलिस ने बिलासपुर क्राइम ब्रांच से संपर्क कर खेमचंद के बेटे को रेस्क्यू कर परिजनों के सुपुर्द किया।

सालभर बाद भी नहीं खुल सकी नई लाइब्रेरी, फंड जारी पर सीजीएमएससी ने अटकाया काम

- आधुनिक सुविधायुक्त बनाने की थी योजना, पुरानी लाइब्रेरी विद्यार्थियों के हिसाब से छोटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दंत चिकित्सा की पढ़ाई करने शासकीय महाविद्यालय में आने वाले छात्रों को आधुनिक सुविधा वाली नयी लाइब्रेरी देने की योजना अब तक शुरू नहीं हो पायी है। लाइब्रेरी बनाने के लिए फंड तो जारी हो गया है, मगर इसके लिए आवश्यक निर्माण और संसाधन जुटाने का काम सीजीएमएससी द्वारा अटकाया गया है। डेंटल कालेज में वर्तमान में जो लाइब्रेरी है, आवश्यकताओं के हिसाब से काफी छोटी पड़ रही है, जिस पर आपत्ति भी आती है।

राज्य में संचालित होने वाली निशुल्क एंबुलेंस सेवा 108 का कॉल सेंटर काफी पहले डेंटल कालेज के पिछले हिस्से में मौजूद पुराने भवन से संचालित होता था। नयी एजेंसी तय होने के बाद भवन का उपयोग बंद ▶▶|शेष पेज 13 पर

निशुल्क इलाज योजना पर काम नहीं

मुख से संबंधित बीमारी जैसे मुख का कैंसर, जबड़े का फ्रैक्चर आदि का उपचार निशुल्क स्वास्थ्य सहायता योजना में उपलब्ध है। शेष तरह की सर्जरी और अन्य इलाज इसके जरिए नहीं होता। कुछ समय पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरीजों की सुविधा के लिए कुछ बीमारियों को राज्य स्तर पर इस योजना में शामिल किए जाने की योजना थी। इसके लिए कालेज स्तर पर प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया था मगर इस पर अब तक काम आगे नहीं बढ़ पाया है।

निर्माण प्रक्रियाधीन

अत्याधुनिक सुविधा वाली लाइब्रेरी बनाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इसका निर्माण पूरा होने से विद्यार्थियों को सुविधा मिलेगी, जिसके लिए प्रयास किया जा रहा है।

- डा. विरेन्द्र वाढेर, प्राचार्य
शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय

सुविधाओं का विस्तार प्रक्रियाधीन

बड़ी संख्या में मरीजों की दांतों की बीमारी का इलाज कर रहे दंत चिकित्सा महाविद्यालय में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार को मंजूरी दी गई थी। इसमें कुछ जरूरी मशीन सहित उपकरण जुटाने सहित उपचार की दरों पर भी संशोधन का विचार किया गया था। इन निर्देशों को कार्यरूप में लाने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। इस एकमात्र शासकीय महाविद्यालय में दांतों की बीमारी लेकर इलाज के लिए प्रतिदिन ढाई से तीन सौ मरीज आते हैं, व्यवस्था के तहत उन्हें उपचार के लिए तारीख दी जाती है।

अगले तीन दिन पानी गिरने की संभावना, दक्षिणी हिस्से में रहेगा ज्यादा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बंगाल की खाड़ी में बनने वाले निम्नदाब के प्रभाव से अगले तीन दिन प्रदेश में बरसात होने की संभावना बन गई है। बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सिस्टम का ज्यादा असर दक्षिणी हिस्से में रहने की संभावना है। अभी चिपचिपी गर्मी के साथ प्रदेश में अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। पिछले चौबीस घंटे में प्रदेश में बारिश की गतिविधि शून्य जैसी रही।

- चिपचिपी गर्मी के साथ पारा 34-35 डिग्री तक पहुंचा

प्रदेश में बारिश नहीं होने की वजह उमस भरी गर्मी ने लोगों को हलाकान कर दिया है। काफी दिनों ने बरसात नहीं होने की वजह से अब लोगों के स्वास्थ्य पर इसका साइड इफेक्ट दिखने लगा है। राज्य में पिछले 11 दिनों से व्यापक रूप से पानी नहीं बरसा है जिसके कारण परेशानी ज्यादा बढ़ने लगी है। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश पर लगा लंबा विराम खत्म होने की संभावना है। आंध्रप्रदेश और तेलंगाना के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। बुधवार को इसके प्रभाव से बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पश्चिम ▶▶|शेष पेज 13 पर

120 शिक्षक मूल्यांकन के लिए बैन, इनकी जांची कॉपियों में पुनर्मूल्यांकन के बाद बढ़े 20-50 अंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पुनर्मूल्यांकन और पुनर्गणना के परिणाम जारी किए जाने के बाद माध्यमिक शिक्षा मंडल ने उन शिक्षकों पर कार्रवाई की है, जिन्होंने मूल्यांकन में कार्य में लापरवाही बरती। माशिम ने ऐसे 120 शिक्षकों को मूल्यांकन कार्य में प्रतिबंधित कर दिया है, जिनके द्वारा जांची गई कॉपियों में पुनर्मूल्यांकन और पुनर्गणना के बाद अंकों में 20 से 50 नंबर तक की वृद्धि हुई है। तीन श्रेणियां बनाकर इन शिक्षकों पर कार्रवाई की गई है। पहली श्रेणी में उन शिक्षकों को रखा गया है, जिनकी जांची कॉपियों में पुनर्मूल्यांकन-पुनर्गणना के बाद 20 से 40 नंबर बढ़े हैं। इन पर तीन वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है। दूसरी श्रेणी में उन शिक्षकों को रखा गया है, जिनके द्वारा मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं में 50 नंबर तक आरटी-आरवी के बाद बढ़े हैं। इन्हें 5 सालों के लिए प्रतिबंधित किया गया है। तीसरी श्रेणी उन शिक्षकों की है, जिनकी ▶▶|शेष पेज 13 पर

तीन श्रेणी बनाकर की गई कार्रवाई, तीसरी श्रेणी के शिक्षक 6 साल के लिए प्रतिबंधित

आसान विषयों में भी गलती

ना केवल गणित और विज्ञान जैसे जटिल विषय, बल्कि अपेक्षाकृत आसान विषयों में भी लापरवाही बरती गई है। पशुपालन, फसल उत्पादन जैसे विषयों की उत्तरपुस्तिकाएं भी शिक्षक उचित रूप से नहीं जांच सकें हैं। दसवीं कक्षा में सर्वाधिक त्रुटियां सामाजिक विज्ञान के विषय में हुई है। जबकि बारहवीं कक्षा में हिन्दी के 11, रसायनशास्त्र के 6, अंग्रेजी व व्यवसाय अध्ययन के 5, अर्थशास्त्र के 4,भौतिकशास्त्र व जीव विज्ञान के 3, राजनीति विज्ञान, कृषि व फसल उत्पादन के 2 तथा गणित व पशुपालन विषय के एक-एक शिक्षक पर कार्रवाई हुई है।

12वीं से अधिक लापरवाही 10वीं में

दसवीं कक्षा के मूल्यांकन कार्य में बारहवीं कक्षा की तुलना में अधिक लापरवाही बरती गई है। 10 कक्षा में प्रतिबंधित मूल्यांकनकर्ताओं की सूची अनुसार प्रथम श्रेणी में 59, द्वितीय श्रेणी में 6 तथा तृतीय श्रेणी में एक शिक्षक है। बारहवीं कक्षा में प्रथम श्रेणी में 47 तथा द्वितीय श्रेणी में 7 शिक्षक है। दोनों बोर्ड कक्षा मिलाकर तृतीय श्रेणी में प्रतिबंधित एकमात्र शिक्षक जांजगीर-चांपा के अंतर्गत आने वाले शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जर्वे के सीएस भारद्वाज है। उनके द्वारा दसवीं कक्षा में जिस छात्र की सामाजिक विज्ञान की उत्तरपुस्तिका जांची गई थी, उसमें पुनर्मूल्यांकन के बाद 50 से अधिक अंक बढ़े हैं।

शराब दुकान खोलने के विरोध में चक्काजाम, दो घंटे ट्रैफिक बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खम्हारडीह थाने के सामने प्रीमियम अंग्रेजी शराब दुकान खोले जाने से नाराज हिंदू संगठन से जुड़े लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम से आवागमन करने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बजरंग दल तथा हिंदू संगठन से जुड़े सदस्यों ने थाने के सामने बीच चौक पर बैठकर प्रदर्शन किया।

- खम्हारडीह थाने के सामने खोली जा रही प्रीमियम अंग्रेजी शराब दुकान

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि सरकार जानबूझकर रिहायशी इलाकों में शराब दुकानें खुलवा रही है, ताकि समाज के लोगों को शराब पीने आकर्षित किया जा सके। प्रदर्शनकारियों ने स्कूल, महाविद्यालय, थाना और अस्पताल के पास शराब ▶▶|शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

भूपेश के शरणागत वाले बयान पर सियासत, साय ने कहा- कानून सभी के लिए बराबर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

ईडी सीबीआई कार्रवाई पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा था कि जनता जान चुकी है, विपक्षी नेताओं को टारगेट कर बदनाम किया जा रहा। मुझसे यह उम्मीद की जा रही है कि मैं भाजपा में शामिल हो जाऊं, लेकिन मैं डरकर या दबाव में झुकने वाला नहीं हूं।

उन्होंने तीखे अंदाज में कहा, मैं हेमंत बिस्वा शर्मा नहीं हूं, जो डरने पर शरणागत हो जाएं। उनके इस बयान पर जमकर सियासत हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, कानूनी प्रक्रिया चल रही है। कानून तो सबके लिए बराबर है। भूपेश बघेल का मामला कोर्ट में है। कोर्ट ही फैसला करेगा। मामले में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने भूपेश बघेल के बयान

भूपेश अपनी पार्टी में स्थान सुरक्षित करने के लिए ऐसा बयान दे रहे : साव

पर पलटवार करते हुए कहा, भूपेश बघेल अपनी पार्टी में स्थान सुरक्षित करने के लिए ऐसा बयान दे रहे हैं। आज उनकी हालत ऐसी हो गई है, उन्हें कांग्रेस पर अपनी प्रतिबद्धता दिखानी पड़ रही है। जांच एजेंसी की कार्रवाई को लेकर वे मुगालते में ना रहें। श्री साव ने कांग्रेस द्वारा सोशल मीडिया पर अमर्यादित शब्दों के इस्तेमाल पर कहा, आज कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं का स्तर गिर गया है। कांग्रेस पूरी तरह से सीमाओं को लांघ चुकी है। निम्न स्तर की राजनीति कहां तक लेकर जाएगी। कांग्रेस नेता कहां तक गिरेंगे, ये समझ से परे है।

बघेल ने साधा निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने राजनीतिक रुख को स्पष्ट करते हुए कहा, विपक्षी दलों पर हो रही कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है और यह सीधे-सीधे राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता के बल पर जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। उनका कहना था कि जनता यह सब देख रही है और समय आने पर जवाब देगी।

कांग्रेस नेताओं का राजनीतिक कैरियर समाप्ति की ओर : श्रीवास्तव

बीजेपी प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने इस मामले में कहा, वो हेमंत बिस्वा शर्मा हैं, वो कोर्ट में जमानत के लिए नहीं घूमते, लेकिन भूपेश जमानत के लिए कोर्ट में घूम रहे हैं। जब वे प्रदेश अध्यक्ष थे, तब कहते थे कि मैं कोर्ट से कभी जमानत नहीं लूंगा, लेकिन अब ऐसी क्या परिस्थिति का आ गई कि अग्रिम जमानत लेनी पड़ रही है। हेमंत बिस्वा शर्मा को अपनी गलती का एहसास हुआ कि कांग्रेस में रह कर कभी देश सेवा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, भूपेश बघेल का ये बयान स्पष्ट कर रहा है कि कोई एक व्यक्ति संज्ञान ले और उनके भाजपा में प्रवेश का रास्ता साफ हो जाए, ताकि उनका राजनीतिक भविष्य मजबूत हो। कांग्रेस के लगभग सभी बड़े नेताओं का राजनीतिक कैरियर समाप्ति की ओर है।

खबर संक्षेप

आदि कर्मयोगी अभियान, मुख्य सचिव आज करेंगे उद्घाटन

रायपुर। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्य तत्वावधान में आदि कर्मयोगी अभियान- रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम की रायपुर में आज शुरुआत हुई। इस महत्वाकांक्षी अभियान में भारत ग्रामीण आजीविका मिशन (बीआरएलएफ) द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जबकि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग इसका आयोजक है। अभियान के अंतर्गत जिला मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया जाना है। दो चरणों में संपादित होने वाले इस कार्यक्रम का प्रथम चरण 11 से 14 अगस्त एवं दूसरा चरण 18 से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाना है।

फसल बीमा: साय ने मोदी शिवराज का जताया आभार

रायपुर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत आज छत्तीसगढ़ के 1 लाख 41 हजार से अधिक किसानों के बैंक खातों में 152 करोड़ 84 लाख रुपयों का सीधा अंतरण किया गया। यह राशि फसल हानि की भरपाई के साथ किसानों को आर्थिक सुरक्षा भी प्रदान करेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज देशभर में 30 लाख से अधिक किसानों को कुल 3,200 करोड़ से ज्यादा की बीमा दावा राशि का लाभ मिला है।

नियम 2 दुकान आवंटन का, कई समूह 4 या उससे ज्यादा राशन दुकानें चला रहे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

रायपुर जिले में उचित मूल्य की दुकानों के आबंटन में नियम का पालन नहीं किया गया है। नियम के तहत पंजीकृत एक समूह या संस्था को अधिकतम दो राशन दुकान आबंटित करने का नियम है, लेकिन जिले में ऐसे दर्जनों समूह व संस्था हैं, जिन्हें दो से ज्यादा दुकानें आबंटित की गई हैं। कई समूह-संस्था तो 4 से 5 दुकान संचालित कर रहे हैं। हालांकि दो से ज्यादा जितनी दुकान आबंटित की गई हैं, उन सभी को विभाग ने संलग्न किया है। विभागीय सूत्र के अनुसार अतिरिक्त दुकानें अलग-अलग कारण से बंद थीं, जिससे हितग्राहियों को राशन लेने में परेशानी हो रही थी। नियमतः इन सभी बंद दुकानों के लिए अलग से आवेदन मंगाए जाने थे। इसकी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। इसे देखते हुए विभाग ने हितग्राहियों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए इन दुकानों को अन्य संचालित दुकानों में संलग्न कर दिया था, लेकिन इसके बाद संलग्न की गई दुकानों के लिए आवेदन मंगाने की प्रक्रिया ही नहीं की गई, जिसके कारण पिछले कई साल एवं महीनों से संलग्न की गई दुकानें नियम विरुद्ध तरीके से संचालित हो रही हैं।

केस 1

अंबेडकर प्राथमिक उपभोक्ता भंडार तिल्दा-नेवरा को नियम के तहत दो दुकान जिसकी आईडी 441004006 एवं 08 आबंटित है। इस क्षेत्र में किसी कारण से बंद अन्य तीन दुकानें जिसकी आईडी 441004001, 02 एवं 03 संलग्न की गई हैं।

केस 2

रायपुर में भवानी नगर श्री सांई महिला स्वसहायता समूह को पहले से दो दुकान आईडी 441001288 आबंटित है। इस समूह को दो और दुकान जिसकी आईडी 441001071-72 संलग्न है।

केस 3

जय मां खल्लारी प्रा.स.उ. भंडार को भी पहले से दो दुकान आईडी 441001035 है। इसमें अन्य तीन अन्य आईडी 441001104, 1106, 1200 संलग्न है।

इसलिए कई दुकानदार नहीं चाहते नई दुकानें खुलें

खाद्य विभाग ने नगरीय निकाय चुनाव से पूर्व राजधानी रायपुर में 55 नई दुकानों एवं संलग्न 4 दुकानों के लिए विज्ञापन जारी कर नए आवेदन मंगाए थे। इन दुकानों के लिए लगभग पांच सौ आवेदन भी आए थे। इससे पहले कि इन आवेदनों पर दुकानों का आबंटन हो पाता, इससे पहले ही कुछ पुराने दुकान संचालकों ने नई दुकानों की आवश्यकता नहीं होने का हवाला देते हुए हाईकोर्ट में याचिका लगा दी, जिस पर स्टे मिला हुआ है। इस स्टे के कारण नई दुकानों का आबंटन भी अटका हुआ है।

80 से ज्यादा दुकान संलग्न

जिले में 80 से ज्यादा राशन दुकानें संलग्न में संचालित हो रही हैं। ये दुकानें राजधानी रायपुर के अलावा तिल्दा, अभनपुर, आरंग एवं धरसींवा ब्लॉक में कई समूह एवं संस्था की दुकान में संलग्न है। रायपुर शहर में ही लगभग 40 दुकानें पिछले कई साल एवं महीनों से संलग्न में चल रही हैं।

कमीशन का खेल, इसलिए संलग्न दुकानों के लिए आवेदन भी नहीं

राशन दुकान के संचालन से संस्था-समूह को कमीशन के रूप में अच्छी खासी कमाई हो जाती है। इस कमाई को बढ़ाने के लिए कई संस्था-समूह ने नियम के तहत दो दुकान लेने के बाद अपनी दुकानों में बंद दुकानों को भी संलग्न करा लिया है। इससे उनकी कमाई भी कई गुना बढ़ गई है। इसके कारण ये संस्था या समूह भी अब नहीं चाहते हैं कि संलग्न की गई दुकान और किसी संस्था या समूह को मिले। यही कारण है कि पिछले कई साल से संलग्न दुकानों के लिए विज्ञापन भी विभाग जारी नहीं कर रहा है।

हाईकोर्ट में लंबित है

रायपुर नगर निगम क्षेत्र में 55 नई दुकान एवं 4 संलग्न दुकानों को आबंटन करने के लिए नए सिरे से आवेदन मंगाए जा चुके हैं। इसके विरोध में कुछ पुराने दुकान संचालकों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई है, जिस पर स्टे लगा हुआ है। स्टे हटते ही आबंटन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

- भूपेंद्र मिश्रा,
जिला खाद्य अधिकारी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान से मिले तोखन स्कूली और उच्च शिक्षा पर की चर्चा

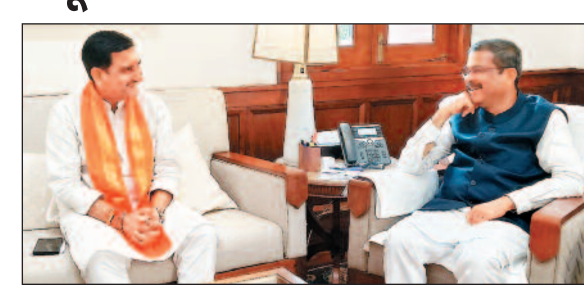

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री एवं बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद तोखन साहू ने आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाक़ात की। इस दौरान बिलासपुर संसदीय क्षेत्र में स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने, खेल सुविधाओं का विस्तार करने और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए ठोस पहल करने पर जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने राज्य के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक खेल संसाधन और बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए संयुक्त रूप से प्रयास करने पर सहमति जताई। छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन एवं कांकेर से पूर्व सांसद मोहन मंडावी ने केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू से सौजन्य मुलाकात की।

मां महामाया मंदिर को प्रसाद योजना में शामिल करने का प्रस्ताव

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू द्वारा महामाया मंदिर, रतनपुर (जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़) को प्रसाद योजना में शामिल कर विकसित करने के संबंध में भेजे गए प्रस्ताव पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने सकारात्मक पहल की है। श्री शेखावत ने भेजे पत्र में सूचित किया, तोखन साहू का अनुरोध मंत्रालय में संबंधित अधिकारी को उचित कारईवाई हेतु प्रेषित कर दिया गया है।

गोठान को बना रहे गोधाम, पुरानी बोतल में नई शराब : धनेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व किसान नेता धनेंद्र साहू ने कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए गोठान का नाम बदलकर गोधाम किए जाने के भाजपा सरकार के फैसले की आलोचना की है। एक बयान में उन्होंने कहा- भाजपा सरकार गोठान के बदले गोधाम खोलने जा रही है। सिर्फ नाम बदलकर नई बोतल में पुरानी शराब भरने में भाजपा सरकार ने दो साल लगा दिया। गोठान

शब्द हमारे छत्तीसगढ़ की संस्कृति में स्थापित गांव की गौरवशाली पारंपरिक नाम था। छत्तीसगढ़ में गोधाम शब्द का कहीं भी प्रयोग नहीं होता। ये लोग छत्तीसगढ़ की संस्कृति के विरोधी लोग हैं। इन्हें छग की संस्कृति से सरोकार नहीं है। गोठान नाम से भाजपा की सरकार को इतनी नफरत है, तो 2 साल का समय नाम बदलने में क्यों लगा दिये। जो व्यवस्था कांग्रेस शासन काल में सुचारू रूप से संचालित हो रही थी, उसे लगातार जारी न रखकर वर्तमान की भाजपा सरकार ने उसे लावारिस हालत में छोड दिया। कांग्रेस शासन के 5 साल में सरकारी कोष से करोड़ों रुपए खर्च कर अनेकों गोठान गांव-गांव में बनाया गया, जिससे अनेकों गोठान आत्म निर्भर हो गया था। शासन की कहीं सहयोग की जरूरत नहीं रह गई थी।

ई-ऑफिस में नए तरीके से काम, इसलिए कई विभागों में अटके कार्य

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ में सभी विभागों के शासकीय कार्यालयों में कामकाज का तरीका बदला जा रहा है। इसके तहत सभी कार्यालयों को डिजिटल करते हुए कामकाज भी ऑफलाइन की जगह ई-आफिस से कराए जा रहे हैं। रायपुर जिले में भी सभी विभागों के कार्यालयों में ई-ऑफिस से अब काम भी हो रहे हैं, लेकिन इस नए तरीके से काम करने में कई विभाग के कार्यालयों में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों को दिक्कतें भी आ रही हैं, जिसके कारण कई तरह के काम भी अटक रहे हैं। कुछ विभाग के कर्मचारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि ई-ऑफिस को अनिवार्य तो किया जा रहा है, लेकिन इसे लागू करने से पहले जो तैयारी होनी थी वह हो नहीं पाई है। इसके कारण ई-ऑफिस के माध्यम से काम करने में कठिनाईयां आ रही है, जिससे काम भी प्रभावित हो रहा है।

इस तरह के काम अटक रहे

कई विभागों का ऑनलाइन पोर्टल अभी तैयार नहीं हुआ है, वहीं कई विभागों के पोर्टल में विभागीय कामकाज का डॉटा अपडेट एवं अपलोड हो नहीं पाया है। विभागों में इससे पहले लाइसेंस संबंधी आवेदन ऑफलाइन जारी किए जाते रहे हैं, लेकिन ई-ऑफिस में सर्वर एवं अन्य तकनीकी कारण इस तरह के काम अटक रहे हैं।

इसकी दी जा रही ट्रेनिंग

ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य करने के लिए अधिकारी एवं कर्मचारियों को कंप्यूटर सिस्टम, मोबाइल की मूलभूत समझ, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन सहित एमएस वर्ड, एक्सल, ईमेल, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के उपयोग और तकनीकी समस्याओं को स्वयं हल करने जैसे विषयों पर मास्टर ट्रेनर्स की मदद से प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ई-ऑफिस से पारदर्शिता के साथ कार्यों में आएगी तेजी

विभागों में ई-ऑफिस के माध्यम से कार्य होंगे तो इससे प्रशासन के कार्यों में तेजी आएगी, बल्कि पारदर्शिता भी बनी रहेगी। ई-ऑफिस से नोटशीट ऑनलाइन लिखी और भेजी जाएगी। किस स्तर पर कितने दिनों से फाइल रुकी हुई है, इसकी जानकारी भी तत्काल प्राप्त हो जाएगी। इससे विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा करना भी सरल हो जाएगा। ई-ऑफिस से समस्त फाइल ऑनलाइन उपलब्ध होंगे, जिससे कार्यों की पारदर्शिता भी बनी रहेगी।

5967 आरक्षकों की भर्ती प्रक्रिया महत्वपूर्ण दौर में, अब लिखित परीक्षा के लिए व्यापमं वेबसाइट पर पंजीयन जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ में दो साल पहले अक्टूबर 2023 में शुरू हुई 5 हजार 967 पुलिस आरक्षकों की भर्ती प्रक्रिया अब महत्वपूर्ण दौर में आ पहुंची है। भर्ती प्रक्रिया के प्रथम चरण में दस्तावेजों की जांच, शारीरिक नाप व शारीरिक दक्षता परीक्षा में पात्र पाए गए अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा होनी है। खास बात ये है कि इस परीक्षा में शामिल होने के पहले व्यापमं की वेबसाइट पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा।

छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय ने इस भर्ती के संबंध में कहा है कि लिखित परीक्षा के लिए पात्र आवेदकों को व्यापमं की वेबसाइट के लिंक में जाकर पंजीयन करना (

प्रोफाइल आईडी के माध्यम से) व लिखित परीक्षा केंद्र के लिए जिले का चयन करना अनिवार्य होगा। इसके बाद ही व्यापमं पंजीयन नंबर व रोल नंबर पर अभ्यर्थी लिखित परीक्षा के लिए ऑनलाइन से प्रवेश पत्र प्राप्त कर सकेंगे। जिस पात्र अभ्यर्थी द्वारा व्यापमं की वेबसाइट में पंजीयन नहीं किया जाएगा, वे लिखित परीक्षा से वंचित होंगे। इसकी जिम्मेदारी उनकी ही होगी।

पंजीयन के बाद ये करना होगा

बताया गया है कि व्यापमं की वेबसाइट पर पंजीयन प्रारंभ हो गया है। इसके बाद 27 अगस्त तक व्यापमं की वेबसाइट पर पंजीयन के बाद ऑनलाइन आवेदन सबमिट होगा। 14 सितंबर रविवार को परीक्षा होगी। लेकिन इससे पहले 8 सितंबर को प्रवेश पत्र जारी होगा। यह परीक्षा राज्य के सभी पांच संभागीय मुख्यालय में होगी।

इन पदों के लिए हो रही है भर्ती

राज्य पुलिस में आरक्षक के कुल मिलाकर 5 हजार 967 पदों पर भर्ती की जानी है। इनमें से 5 हजार 110 पद आरक्षक जीडी के हैं। इसके साथ ही 235 पद वाहन चालक के तथा 623 ट्रेडमैन के पद के हैं। इन पदों के लिए राज्य भर से दावेदारों की संख्या लाखों में है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 10.08.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कु. श्री वर्मा पिता/पति श्याम सुंदर वर्मा निवासी धरमपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1472/2 रकबा 0.105 हेक्टेयर का बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 07.08.2025 के परिपालन में दिनांक 19.08.2025 को समय 01:00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मन्दिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ती पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

**राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद**

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 10.08.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री रावि पटटाभि रामय्या पिता रावि कोटेश्वर राव निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1472/16 रकबा 0.064 हेक्टेयर का बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 07.08.2025 के परिपालन में दिनांक 19.08.2025 को समय 01:00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मन्दिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ती पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

**राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद**

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धरमपुरा रायपुर में ई.डब्ल्यू. एस. फ्लैट - 45/08 को **श्रीमति रेखा खान्डेकर पति श्री मोती लाल खान्डेकर** पता- बी-18 एकता नगर सेक्टर-01 गुढ़ियारी रायपुर (छ.ग.) के नाम पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पूर्ण राशि जमा कर दिनांक 18.06.2012 को लीजडीड निष्पादित कराया गया है, एवं कार्यालयीन पत्र क्रमांक 4303 दिनांक 13.09.2012 के द्वारा आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। वर्तमान में **श्रीमति रेखा खान्डेकर पति श्री मोती लाल खान्डेकर** के द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्रीमति प्रीति चौहान पति श्री राम कुमार चौहान** पता- मकान नं. 162 गली नं. 01 राजीव गांधी नगर रायपुर (छ.ग.) को विक्रय के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः धरमपुरा रायपुर में ई.डब्ल्यू. एस. फ्लैट - 45/08 के विक्रय के संबंध में किसी भी व्यक्ति, शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तीय संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

**संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर**

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 5315 दिनांक 08.07.2025 के द्वारा नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- ई. डब्ल्यू.एस. फ्लैट, 15/102 को **श्रीमती चन्द्रकांता राठौर पति श्री रामकुमार राठौर** के नाम पर नामान्तरण किया गया है। भवन का उप पंजीयन कार्यालय से दिनांक 20.06.2024 को विक्रय विलेख (रजिस्ट्री) निष्पादित करा लिया गया है। वर्तमान में **श्रीमती चन्द्रकांता राठौर पति श्री रामकुमार राठौर**, निवासीः - मकान नं. 11 / 1, झरना राठौर - पारा, झिरना, जांजगीर-चांपा (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को क्रेता **श्रीमती कुमारी ज्योति पति श्री कनिष्क देव नारायण,** निवासीः- 7बी, ए.पी. कॉलोनी, नियर पावर ग्रिड, गया सदर, गया बिहार पिन नं. 823001 को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी) प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-29 में स्थित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक - ई. डब्ल्यू.एस. फ्लैट, 15 / 102 के विक्रय के सबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्ध्दशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

**संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
प्रक्षेत्र नवा रायपुर अटल नगर**

कार्यालय राजस्व निरीक्षक रायपुर-4, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 08.08.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गुढियारी प.ह.नं. 107/49, रा.नि.मं. -4 तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि के संबंध में आवेदिका श्रीमती निशा नायडू पति श्रीनिवास नायडू द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 1318/2 रकबा 0.0160 हे. का सीमांकन हेतु आवेदन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र. /........ अ-12/ वर्ष / 2024-25 आदेश दिनांक 13.06.2025 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन हमारे द्वारा दिनांक 21.08.2025 को 11:00 बजे किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी समीपवर्ती आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व सयम पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी ऊजर, दावा अथवा आपत्ति हो तो समक्ष प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन उपरांत किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जानें।

**राजस्व निरीक्षक
रायपुर-4**

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 10.08.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री गण्डला शेषगिरि पिता एम. नागेश्वर राव निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1472/15 रकबा 0.076 हेक्टेयर का बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 07.08.2025 के परिपालन में दिनांक 19.08.2025 को समय 01:00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मन्दिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ती पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

**राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद**

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 10.08.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री एम. लक्ष्मी राव पति एस. एस. राव निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1472/14 रकबा 0.089 हेक्टेयर का बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 07.08.2025 के परिपालन में दिनांक 19.08.2025 को समय 01:00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मन्दिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ती पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

**राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद**

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 10.08.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री उप्पलपाटि उपाराणी राव पति टी गोपाल राव निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1472/10, 1472/24 रकबा 0.041, 0.041 हेक्टेयर का बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 07.08.2025 के परिपालन में दिनांक 19.08.2025 को समय 01:00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मन्दिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ती पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

**राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद**

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंदिर हसौद, तहसील मंदिर हसौद जिला रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांक 10.08.2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री कार्तिक सूरपेनेनी पिता एस. एस. राव निवासी रायपुर छ.ग. द्वारा आवेदित ग्राम मंदिर हसौद पटवारी हल्का नंबर 22 राजस्व निरीक्षक मंडल मंदिर हसौद स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 1472/12, 1472/18 रकबा 0.021, 0.020 हेक्टेयर का बटांकन न्यायालय तहसीलदार मंदिर हसौद के आदेश दिनांक 07.08.2025 के परिपालन में दिनांक 19.08.2025 को समय 01:00 बजे पश्चात् मेरे द्वारा किया जाना नियत है।

अतः उक्त बटांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उक्त तिथि में पटवारी हल्का नम्बर 22 के मंदिर हसौद में स्थित कार्यालय या राजस्व निरीक्षक कार्यालय मन्दिर हसौद में दस्तावेज सहित स्वयं अथवा वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी प्रकार की दावा/आपत्ती पर विचार किया जाना सम्भव नहीं है।

**राजस्व निरीक्षक
मंदिर हसौद**

एक्टिवा जीपीएस से किया ट्रेस, गुमशुदा नाबालिग दो घंटे में बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और आधुनिक तकनीक के बेहतर इस्तेमाल से एक बड़ी सफलता हासिल की है। रायपुर और बिलासपुर पुलिस के साझा प्रयासों से एक 15 वर्षीय नाबालिग को महज दो घंटे के भीतर ढूंढ निकाला गया, जिससे उसके साथ होने वाले किसी भी अनहोनी को टाल दिया गया। यह घटना पुलिस के अंतर-जिला समन्वय और त्वरित कार्रवाई का एक बेहतरीन उदाहरण बन गई है। धरसीवा थाना क्षेत्र के ग्राम सांकरा निवासी खेमचंद जैन ने सोमवार को पुलिस को सूचना दी कि उनका 15 वर्षीय बेटा रविवार रात से अपनी इलेक्ट्रॉनिक एक्टिवा लेकर लापता है।

पुलिस ने विवेचना में आधुनिक तकनीक का किया इस्तमाल

20 मिनट में मिली कामयाबी

पुलिस ने हार नहीं मानी और जीपीएस की दूसरी लोकेशन ट्रेस की, जो बिलासपुर के गतौरी स्थित आरबी पेट्रोल पंप पर मिली। बिलासपुर क्राइम ब्रांच की टीम ने तुरंत उस जगह पर पहुंचकर देखा कि नाबालिग अपनी एक्टिवा को चार्ज कर रहा था। पुलिस ने उसे सुरक्षित बरामद कर लिया और रायपुर पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद, रायपुर पुलिस ने परिजनों को बिलासपुर बुलाया और सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर नाबालिग को उनके सुपुर्द कर दिया।

इनकी रही भूमिका

इस सफल अभियान में पुलिस सहायता केन्द्र सिलतरा के प्रभारी उनि राजेंद्र सिंह कंवर, प्रधान आरक्षक कामता सिंह, आरक्षक सदानंद ठाकुर, और राजकुमार चौबे का अहम योगदान रहा। बिलासपुर क्राइम ब्रांच से निरीक्षक मोहम्मद अजहर, आरक्षक महादेव कुजुर, और तदवीर सिंह पोर्ते ने भी सराहनीय काम किया।

जीपीएस ने मिला सुराग

पूछताछ में परिजनों ने बताया कि नाबालिग जिस एक्टिवा पर गया था, उसमें जीपीएस लगा है, लेकिन वह सक्रिय नहीं है। पुलिस ने तत्काल लोधी पारा स्थित होंडा शोरूम से संपर्क किया और क्रेता के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से जीपीएस को सक्रिय कराया। जीपीएस ट्रेसिंग से नाबालिग की पहली लोकेशन बिलासपुर के कोनी रोड पर मिली। रायपुर पुलिस ने बिना देरी किए बिलासपुर क्राइम ब्रांच (ACCU) के निरीक्षक मोहम्मद अजहर से संपर्क किया और सारी जानकारी दी। बिलासपुर पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची, लेकिन नाबालिग वहां से निकल चुका था।

खबर संक्षेप

गांधी स्कूल के छात्रों का शतरंज स्पर्धा में चयन

आरंग। गांधी इंग्लिश मीडियम हायर सेकंडरी स्कूल आरंग के विद्यार्थियों ने ब्लॉक स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। अंडर-14, 17 व 19 आयु वर्ग के बालक-बालिका श्रेणी में शतरंज के खेले गए मुकाबलों में छात्रों ने शानदार भागीदारी निभाई। अंडर 14 में महत्व नाथ योगी 7वीं, डागेश्वर लोधी 8वीं अंडर 17 में उत्कर्ष पटेल 10वीं, अंडर 19 में कक्षा 11वीं की अवनी शर्मा का चयन जिला हेतु हुआ। विद्यालय के प्राचार्य, एकेडमिक प्रभारी तथा समस्त विद्यालय परिवार ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं व बधाई दी है। विद्यालय प्रबंधन की ओर से इन प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित करने की भी घोषणा की गई है। विकास खंड शिक्षा अधिकारी श्री दिनेश शर्मा ने भी जिला स्तर पर चयनित सभी विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

समोदा में ब्रह्माकुमारियों ने मनाया रक्षाबंधन पर्व

आरंग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय समोदा मे रक्षा बंधन व स्नेह मिलन का कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में आरंग सेवा केन्द्र के संचालिका लता दीदी, समोदा नगर पंचायत उपाध्यक्ष अगेश्वर देवांगन, पार्षद देवेन्द्र साहू, शेष नारायण चक्रधारी, चेतन साहू, लेखू दानेशवरी साहू, मोहन साहू और समोदा सहित आस-पास गाँव से भाई बहन पहुचे। उन्हें राखी बांधकर प्रसाद मिठाई दिया गया।

शिवनाथ में डूबे युवक का शव बरामद, हुई पहचान

तिल्दा नेवरा। आज सुबह सोमनाथ धाम लखना स्थित शिवनाथ नदी के संगम के पास नदी में एक युवक का शव बरामद किया गया, नेवरा पुलिस को सूचना दी गई पुलिस ने मर्ग कायम किया है। साथ ही बता दें की शव की पहचान कर ली गई है ,नेवरा पुलिस ने बताया मृतक धर्मेंद्र बंजारे पिता लक्ष्मी नारायण बंजारे उम्र 40 वर्ष ग्राम मजगांव थाना हथबंद निवासी है जो कि अपने दोस्तों के साथ चटवा धाम गए थे और रविवार सुबह लगभग 7:00 बजे चटवा धाम स्थित शिवनाथ नदी में मृतक युवक नहाने उतरा उसके बाद उसका पता नहीं चल पाया, और आज सोमवार सुबह उसका शव तिल्दा ब्लाक के सोमनाथ धाम नदी संगम के पास देखा गया एवं मृतक की पहचान की गई। नेवर थाना के एएसआई देवांगन ने आज सोमवार को बताया की शव की पहचान कर ली गई है।
पंचनामा किया गया है , मृतक के परिजन पहुंच गए हैं , पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

गंगरेल का गेट आज नहीं खुला तो 15 को किसान करेंगे प्रदर्शन

आरंग। बीते 10-12 दिनों से बरसात न होने की वजह से धान की फसल को सामयिक सिंचाई पानी की आवश्यकता है। खेतों में पानी न होने से निदाई - गुड़ाई व चलायी का काम लगभग ठप्प पड़ गया है व धान के पौधे पीले पड़ने लगे हैं। मानसून ब्रेक के हालात होने से बरसात नही हो पा रहा और किसानों की नजरें गंगरेल बांध पर टिक गयी है। किसानों द्वारा सिंचाई हेतु गंगरेल का गेट खोलने की मांग मुखर होने लगा है। बीते शनिवार को जहां बंगोली सिंचाई उपसंभाग के अधीनस्थ आने वाले जल उपभोक्ता संस्थाओं के पूर्व अध्यक्षों ने बैठक पश्चात सिंचाई पानी की सामयिक आवश्यकता के मद्देनजर रायपुर जिला जल उपभोक्ता संस्था संघ के अध्यक्ष रहे भूपेंद्र शर्मा के माध्यम से जल संसाधन मंत्री केदार कश्यप को ज्ञापन सौंप व संबंधित अधिकारियों का ध्यानाकर्षण करवा गंगरेल से पानी छुड़वाने का आग्रह किया है।

चुनिंदा स्कूलों में आयोजन से विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

धरसींवा में कला उत्सव के आयोजन में मनमानी से प्रतिभाशाली छात्र हैं निराश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

- प्रत्येक विधा में चयनित छात्रों की सूची ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आज जमा की जाएगी

केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पहल 'कला उत्सव' के आयोजन पर धरसींवा ब्लॉक में सवाल खड़े हो गए हैं। शिक्षा मंत्रालय की यह पहल माध्यमिक स्तर के छात्रों की कलात्मक प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, लेकिन धरसींवा ब्लॉक के ग्रामीण अंचल के स्कूलों के अधिकांश छात्र अपने ही ब्लाक के महाआयोजन से वंचित रह गए हैं या यूं कहें कि इस आयोजन की भनक ही नही लगे और कार्यक्रम सम्पन्न हो गए।

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के निर्देशानुसार, 11 अगस्त, 2025 को 'कला उत्सव' का आयोजन किया गया था। इस वर्ष का विषय विकसित भारत वर्ष 2047 के भारत की परिकल्पना था। प्रतियोगिताएँ दो अलग-अलग स्थानों पर आयोजित की गईं—संगीत, नृत्य और नाटक के लिए प्रो. जे.एन. पांडे स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय और दृश्यकला एवं पारंपरिक कहानी वाचन के लिए शा. जे.आर. दानी कन्या उ.मा.वि., कालाबाड़ी चौक, रायपुर में किया गया।

ग्रामीण बच्चों को अवसर की कमी और विभाग की लापरवाही

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि इस कला महोत्सव में धरसींवा ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को पर्याप्त मौका नहीं मिला। दरअसल, इस कला महोत्सव में धरसींवा ब्लॉक के ही बच्चे शामिल नहीं हुए, और अगर कुछ बच्चे शामिल भी हुए, तो वे अधिकारियों के मनपसंद स्कूलों के थे। आरोप हैं कि यह आयोजन सिर्फ कुछ चुनिंदा शहरी स्कूलों और अधिकारियों के पसंदीदा संस्थानों तक ही सीमित रहा। नाम न छापने की शर्त पर एक शिक्षक ने बताया, इस महोत्सव में सिर्फ कुछ ही स्कूलों के बच्चों को शामिल किया गया। धरसींवा ब्लॉक के ज़्यादातर स्कूलों के छात्र, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के, इस महत्वपूर्ण मंच से दूर रहे। ऐसा लगता है कि या तो इन स्कूलों के प्राचार्यों ने इसमें रुचि नहीं ली या फिर उन्हें पर्याप्त जानकारी ही नहीं दी गई।

बीईओ ने लापरवाही की जांच के दिए निर्देश

इस मामले पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्री अमित तिवारी ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है, यह घोर लापरवाही है और इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित संस्था प्रमुखों की है। मैं इस स्थिति से काफी शर्मिंदा हूं। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोजन के बाद, प्रभारी अधिकारियों को 12 अगस्त तक प्रत्येक विधा में चयनित छात्रों की सूची ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करनी है। यह देखना बाकी है कि जांच के बाद क्या निष्कर्ष सामने आते हैं और क्या भविष्य में ऐसे आयोजनों को समावेशी बनाया जाता है ताकि कोई भी प्रतिभावान बच्चा अपनी कला को प्रदर्शित करने से वंचित न रह जाए।

दिव्यांग बच्चों ने आरपीएफ के जवानों को बांधी राखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

211वीं सीआरपीएफ वाहिनी थनौद मे समाज के विशेष वर्गों ने जवानो के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। इस मौके पर चंपारण दिव्यांग आश्रम के 20 विशेष बच्चे, अपने शिक्षकों के साथ जब 211 वाहिनी के मुख्यालय पहुँचे, तो माहौल केवल औपचारिक नहीं, बल्कि आत्मीयता से भरा हुआ था। इन बच्चों के साथ आईं श्रीमती अनामिका गोस्वामी ने जब उनके संघर्षों और उपलब्धियों की बातें साझा कीं, तो कई आँखें नम हो गईं। इसी क्रम में संस्कार वेलफेयर फाउंडेशन की 10 महिलाओं का दल, श्रीमती रानु शर्मा के नेतृत्व में पहुँचा, जिनके हाथों में राखियाँ नहीं, बल्कि भावनाओं की डोर थी। इन महिलाओं और बच्चों ने जवानों को राखी बाँधकर न केवल उनके कर्तव्य को सम्मानित किया, बल्कि यह भी जताया कि समाज उनके हर कदम पर साथ है कमांडेंट इन चार्ज आलोक अवस्थी ने कहा कि हम सैनिक जब अपने परिवार से दूर होते हैं, तब ऐसे ही आयोजन हमें भावनात्मक रूप से संबल देते हैं। समाज और बल का यह मिलन एक सशक्त राष्ट्र का संकेत है। कार्यक्रम में द्वितीय कमान अधिकारी रंजन कुमार बहाली, एडजुडेंट इकबाल अहमद, निरीक्षक संतोष कुमार सिंह सहित अनेक अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे।

गड़रिया (पाल) समाज ने जय जगतपाल महोत्सव मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

ग्राम पंचायत कोटराभाठा नवा रायपुर में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य पर गड़रिया (पाल) समाज के जय भवानी सेवा समिति द्वारा जय जगतपाल महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के लोगों ने अपने मुख्य व्यवसाय भेड़ पालन से जुड़ी परंपराओं का निर्वहन करते हुए अपनी भेड़ों की पूजा की, और अपने आराध्य भगवान शंकर, जगतपाल, तथा पूर्वज श्री राजाजगत पाल जी का स्मरण कर आशीर्वाद लिया। पूजा के पश्चात सामूहिक रूप से प्रसाद वितरण किया गया। रात्रि में आयोजित भक्ति संध्या माँ शारदा सुवा एक संदेश कार्यक्रम में ग्रामवासियों और अतिथियों ने मिलकर भक्ति संगीत का आनंद लिया और कार्यक्रम को

हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न किया। इस दौरान सरपंच संतोषी ललित यादव,उपसरपंच सनत गिलहरे,राजू पाल,करण पाल,हिरदे पाल, उगेन्द्र राय पाल, दुखहरण पाल, दिबहरण पाल सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

मिनी माता की पुण्यतिथि मनाई और दी श्रद्धांजलि

अभनपुर। छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद व समाज सेविका स्वर्गीय मिनी माता की पुण्यतिथि पर मिनी माता कन्या आश्रम उरला अभनपुर मे बड़ी संख्या मे सतनामी समाज व अन्य समाज के लोगो ने मिनी माता के प्रतिमा पर पुष्पाजंलि अर्पित कर उनकी आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सतनामी समाज परिक्षेत्र अध्यक्ष राधाकृष्ण टंडन,नगर पालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे,पार्षद नीलकमल गिलहरे,सतनाम संदेश यात्रा अध्यक्ष जितेन्द्र बंजारे,पन्ना लाल नवरंगे,रतनलाल गिलहरे, ह्दय राम गिलहरे,नांदुल दास बंजारे,मुन्ना बांधे,नामदास गिलहरे आदि प्रमुख सामाजिक पदाधिकारी शामिल रहे।

सावन उत्सव में झूला व लोकगीत की रही धूम

अभनपुर। नगर पालिका अभनपुर परिसर में भाजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में सावन महोत्सव का आयोजन किया गया । महोत्सव में विधायक इंद्र कुमार साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस मौके पर महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर लोकगीत गाए, झूला झूला और सावन की सुंदरता का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने संबोधन करते कहा कि आज की नारी सिर्फ घर नहीं, समाज और राष्ट्र के निर्माण की भी रीढ़ बन रही है। सावन की हरियाली जितनी जीवनदायिनी है, उतनी ही हमारी मातृशक्ति भी समाज को संजीवनी देती है,आज नारी शक्ति न केवल उत्सव मना रही थीं, बल्कि अपनी भूमिका, अधिकार और आत्मनिर्भरता पर भी बात कर रही है। उन्होंने महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं और स्वावलंबन के उपायों की जानकारी देते हुए उन्हें आगे बढने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नयापारा पालिका अध्यक्ष श्रीमति ओमकुमारी साहू,जनपद अध्यक्ष श्रीमति चंनद्रिका जितेन्द्र बंजारे,सभापति श्रीमति चंचल राजा दीवान,जनपद सदस्य श्रीमति राजेश्वरी ओमप्रकाश धुरव,हेमलता विनोद चन्द्राकर, पार्षद श्रीमती मीना धनेश्वर साहू, चंपा राजकुमार लेदे, रानू शर्मा, सीता साहू व अन्य सरपंचगण मौजूद रहे।

जगह की कमी...

कक्षा के 80 छात्रों की भी बैठक व्यवस्था भी एक ही कक्ष में है। जांच टीम ने अभी अपनी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया पर कहा जा रहा है कि उनकी राय यही है कि कम जगह में अधिक छात्रों को बैठाए जाने के कारण यह स्थिति निर्मित हो रही है। सांस लेने के लिए शुद्ध वायु नहीं मिल पाने के कारण घुटन की स्थिति निर्मित हो जाती है। इस कारण ही विद्यार्थी नियमित रूप से बेहोश होकर गिर रही हैं। जो छात्र जांच के दौरान शाला में उपस्थित थे, उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। शाला प्रबंधन का कहना है कि विद्यालय में जगह नहीं होने के कारण उन्हें एक ही कक्ष में इतनी अधिक संख्या में छात्रों को बैठाना पड़ता है।

गाड़ी टकराने के...

हिस्ट्रीशीटर पप्पू यादव ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना दिनांक को किसी कन्हैया ध्रुव ने ऑनलाइन पिज्जा के लिए आर्डर किया था। आर्डर पर पिज्जा देने हेमंत निकला था। बिजली ऑफिस चौक के पास हेमंत की बाइक पप्पू की बाइक से टकरा गई। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। इसी दौरान पप्पू ने जेब से चाकू निकालकर हेमंत के पेट तथा छाती में वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया, जिसे पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया।

120 शिक्षक मूल्यांकन...

कॉपियों में 50 नंबर से भी अधिक

पेज 11 के शेष...

अंक बढ़ गए हैं। इन पर 6 साल का बैन लगा है। ना केवल मूल्यांकन कार्य बल्कि इन्हें माशिम के सभी तरह के पारिश्रामिक कार्यों से वंचित किया गया है। यही नहीं इन शिक्षकों की एक वर्ष की वेतनवृद्धि रोकने विभाग से अनुशंसा की गई है। इन शिक्षकों की सूची माशिम की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

अगले तीन दिन पानी...

और पश्चिम मध्य में एक निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य में बारिश की गतिविधि में बढ़ोतरी होने की संभावना है। अगले तीन दिन तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही दक्षिणी हिस्से के एक दो स्थानों पर व्यापक वर्षा का दौर शुरू होने की संभावना है। सोमवार को राजधानी के मौसम में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ। दिनभर चिपचिपाहट भरी गर्मी के साथ अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था।मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में पिछले चौबीस घंटे में कुसमी में 60 मिमी. सर्वाधिक बारिश दर्ज की गई।

सालभर बाद भी नहीं...

हो गया और स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोनाकाल में उसका उपयोग स्टोर रूम के रूप में किया गया था। सालभर पहले विभाग द्वारा उक्त भवन को डेंटल कालेज प्रबंधन को हैंडओवर किया गया उसी दौरान उसे आधुनिक सुविधा वाली लाइब्रेरी बनाने की योजना बनाई गई। दंत चिकित्सालय के स्वशासी समिति द्वारा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसके लिए फंड भी रिलीज कर दिया था। लाइब्रेरी के लिए किताबों सहित अन्य संसाधन जुटाने और पुरानी बिल्डिंग में आवश्यकता अनुसार रिनोवेशन करने करने की जिम्मेदारी सीजीएमएससी को दी गई थी। उसके द्वारा सालभर बीतने के बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं कई गई, जिसकी वजह शुरू होने वाले शिक्षण सत्र में भी विद्यार्थियों को पुराने पुस्तकालय से काम चलाना पड़ेगा। नई लाइब्रेरी बनने के बाद पुरानी का उपयोग एग्जाम हॉल के रूप में करने की योजना थी, जो पूरी नहीं हो सकी है। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में सौ यूजी पचास से अधिक पीजी और करीब सौ की संख्या में इंटर्न छात्रों को अपने अध्ययन के लिए लाइब्रेरी की आवश्यकता होती है।

शराब दुकान खोलने...

की दुकानें पूरी तरह बंद करने मांग की है। प्रदर्शनकारियों के अनुसार शराब दुकान खोले जाने से बच्चों पर बुरा असर पड़ेगा। साथ ही खम्हारडीह जैसे व्यस्त चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ेगी। आबकारी अफसरों के अनुसार, नियमों के आधार पर शराब दुकान खोली जा रही है। चक्काजाम के चलते पुलिस को ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा। ट्रैफिक डायवर्ट करने से लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने लंबा रास्ता तय कर जाना पड़ा। प्रदर्शन के चलते जगन्नाथ मंदिर जाने वाले मार्ग से लेकर बीटीआई ग्राउंड जाने वाले मार्ग पर लंबा जाम लग गया।

शिक्षा से बड़ा कोई दूसरा मित्र नहीं : प्रधान पाठक

मिनीमाता की पुण्यतिथि मनाई, बच्चों को बांटी शिक्षण सामग्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

ममतामयी मिनीमाता की पुण्यतिथि पर आरंग के वार्ड क्रमांक 13 (ओड़का) के आंगनवाडी व शासकीय प्राथमिक शाला ओड़का के बच्चों के साथ मिनीमाता की पुण्यतिथि मनायी गयी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वार्ड क्र. 13 की पार्षद चितरेखा विक्रम परमार ने की अपने उद्बोधन मे मिनीमाता को स्मरण करते हुए कहा कि सद्भावना और ममता की प्रतिमूर्ति छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद को श्रद्धापूर्वक कोटि-कोटि नमन करती हूं। आगे उन्होंने कहा की बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए माताजी के संघर्षो, समाज के प्रति सेवा भाव, समाज में अशिक्षा व पिछड़ापन को दूर करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दी। उन्होंने कहा कि उनसे हम सभी को प्रेरणा लेकर किताबों से दोस्ती कर

ज्ञान का खजाना प्राप्त कर अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। वही आंगनवाड़ी की कार्यकर्ता लीना परमार व संगीता पाटले, डम्बेश्वरी कोशले व सभी वक्ताओं ने बच्चों को कहा कि कदम छोटे हो या बड़े रुकने नहीं चाहिए क्योंकि मंजिल पाने का एक मात्र तरीका शिक्षा ही है। असंभव पर विजय प्राप्त करने की कला ही शिक्षा है शिक्षा से ज्यादा मूल्यवान कोई चीज नही है इसे केवल परिश्रम द्वारा ही पाया जा सकता है। विद्यालय के प्रधान पाठक व शिक्षिकाओं ने भी माताजी को स्मरण करते हुए बच्चों से कहा कि शिक्षा जीवन की तैयारी नहीं है शिक्षा ही जीवन है शिक्षा से बड़ा कोई दूसरा मित्र नहीं हो सकता है सभी ने मिलकर बच्चों को नियमित शाला आने के लिए प्रेरित किया। संगीता पाटले, डम्बेश्वरी कोशले, गोमती राजेत्री, सुशीला गिलहरे, गोदावरी कोशले, चांदनी गिलहरे के द्वारा संयुक्त रूप से बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्लेट, पेंसिल, कलम, चॉकलेट प्रदान किया गया। तथा ममतामयी मिनीमाता के स्मरण में फूलदार व फलदार पौधों का भी वितरण किया गया व पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया गया। इस दौरान निधि राजेत्री, निधि पाटले, लोकेश्वरी कोशले प्रधान पाठिका चमेली ध्रुव एवं शिक्षिका किरण यादव भूषण साहू, कविता सोनकर, मेनका नवरंग, गणमान्य नागरिक में सरिता घृतलहरे, पार्वती जांगड़े, वीणा मारकण्डे, किरन ढीढी, पंकज धृतलहरे, प्रमोद कोशले व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ आदि शामिल रहे।

गुरु दर्शन मेला गिरौदपुरी के लिए दो करोड़ स्वीकृत

आरंग। प्रदेश के आस्था के सबसे बड़े केंद्र गिरौदपुरी धाम में श्रद्धालुओं की सुविधा बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी ने 2 करोड़ रुपये की महत्वपूर्ण स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्णय आरंग विधायक, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त गुरु खुशवंत साहेब के विशेष मांग पर लिया गया। प्रत्येक वर्ष फाल्गुन मास में आयोजित तीन दिवसीय गुरु दर्शन मेले में प्रदेशभर से लाखों श्रद्धालु, साधु-संत और दर्शनार्थी सम्मिलित होते हैं। भीड़ की अधिकता के कारण लंबे समय से बेहतर स्वच्छता एवं सुविधा संबंधी व्यवस्थाओं की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। इसको प्राथमिकता में रखते हुए गुरु खुशवंत साहेब ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए मांग किया, जिस पर त्वरित स्वीकृति दी गई। स्वीकृत कार्यों में 100 नग शौचालयों का निर्माण, आधुनिक स्नानागार, जोंक नदी तट पर घाट निर्माण, पचरी निर्माण एवं अन्य विकास कार्य शामिल हैं। गुरु खुशवंत साहेब ने कहा—मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का यह निर्णय श्रद्धालुओं के लिए बड़ी सौगात है। इससे मेले के दौरान स्वच्छता और सुविधा का स्तर बढ़ेगा तथा गिरौदपुरी धाम धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में और सशक्त रूप से स्थापित होगा।

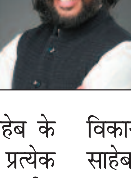

खबर संक्षेप

मंत्रिप्त और देवाशीष का किया सम्मान

रायपुर। लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को रोवर रेंजर अवार्डी मंत्रिप्त कौर और देवाशीष मखीजा को अपने निवास पर चांदी का सिक्का व अशोक स्तंभ का प्रतीक चिन्ह भेंट देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य अमर गिदवानी, सचिन मेघानी भी उपस्थित थे।

मोवा में ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

रायपुर। राजधानी रायपुर के मोवा स्थित चौक-चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने की मांग को लेकर पार्षद मोहन साहू ने यातायात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर पार्षद श्री साहू ने बताया कि मोवा क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव को दूर करने के लिए एवं ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन देने वालों में छेदूराम वर्मा, मो. यूसुफ, महेश नामदेव, राजेश पांडे, शेखर साहू, लोमेश साहू, सुरेंद्र आदि क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

प्रसव के दौरान लापरवाही, स्वास्थ्य केंद्र की आरएचओ निलंबित

रायपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भटगांव सूरजपुर में दो दिन पहले प्रसव कक्ष में बरती गई भारी लापरवाही के मामले में आरएचओ को निलंबित कर दिया गया है। मामले में मेडिकल ऑफिसर और स्टाफ नर्स पर कार्रवाई की अनुशंसा भी की गई है। ओड़गी विकासखंड की निवासी कुंती पंडो के प्रसव के दौरान कक्ष में किसी भी चिकित्सक एवं स्टाफ की अनुपस्थिति का मामला सामने आया था। जिला स्तरीय समिति द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के आधार पर आरएचओ विक्टोरिया करकेट्टा के कार्य में लापरवाही की पुष्टि होने पर उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के तहत निलंबित कर दिया गया है। साथ ही ड्यूटी रोस्टर के अनुसार संबंधित मेडिकल ऑफिसर और स्टाफ नर्स पर भी कार्रवाई की अनुशंसा कर राज्य शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस मामले के संज्ञान में आते ही स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों को पूरे मामले की जांच कर दोषी अधिकारी-कर्मचारी पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके परिपालन में जिला स्तरीय जांच टीम का गठन कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

निधन

विमला कापसे

रायपुर। कंचनगंगा एस्टेट फेज-2 डीडीनगर निवासी सेवानिवृत्त प्रधानपाठिका विमला कापसे का 11 अगस्त को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 12 अगस्त को महादेवघाट श्मशानघाट में किया जाएगा। वे तुकाराम कापसे की पत्नी और अजय, प्रवीणा मारोतकर, आभा दक्षिणे, प्रियंका घोड़के की माता थीं।

लक्ष्मीप्रसाद यादव

रायपुर। कैलाशपुरी निवासी, नगर निगम से सेवानिवृत्त लक्ष्मी प्रसाद यादव का 11 अगस्त को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 12 अगस्त को सुबह 10.30 बजे निवास से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे नीता यादव, चित्रा यादव, शरद प्रकाश यादव के पिता थे।

आठ साल पहले स्वीकृत आश्रम छात्रावास का निर्माण अधूरा, अब खंडहर में तब्दील

रमन सरकार ने डीएमएफ फंड से किया था स्वीकृत, भूपेश सरकार ने कार्यादेश निरस्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

डीएमएफ फंड से आठ साल पहले राजधानी में स्वीकृत आश्रम छात्रावास अब तक मूर्त रूप नहीं ले पाया है। निर्माण कार्य को लेकर ठेकेदार को अग्रिम भुगतान किया गया था। उसके बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया। निर्माण कार्य बंद होने के कारण स्वीकृति के 6 साल बाद ठेकेदार का कार्यादेश निरस्त कर दिया गया। अब यह निर्माणाधीन भवन अधूरे कार्य की वजह से पूरी तरह से खंडहर बनकर रह गया है।

राजधानी रायपुर में आदिम जाति कल्याण विभाग ने आश्रम छात्रावास निर्माण करने की स्वीकृति दी। विभाग ने छात्रावास निर्माण के लिए कमल बिहार के पास जमीन का चयन कर निर्माण के लिए टेंडर जारी किया। विभाग द्वारा निर्माण कार्य के लिए 1.74 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। उक्त भवन निर्माण के लिए आनंद सोनी ने 1.72 करोड़ में निविदा स्वीकृत की गई। 17 अगस्त 2017 को इसका कार्यादेश भी जारी कर दिया गया। ठेकेदार को निर्माण के लिए इसी दिन अग्रिम राशि 48 लाख 44 हजार रुपए विभाग द्वारा स्वीकृत कर दिया गया। ठेकेदार को कुल 65 लाख रुपए का भुगतान निर्माण के एवज में किया गया।

प्लिंथ कार्य पूरा किया : निर्माण कार्य शुरू होने के साथ ही ठेकेदार ने प्लिंथ लेवल तक निर्माण कार्य पूरा किया। उसके बाद से भवन का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। ठेकेदार द्वारा कार्य बंद किए जाने से इसका निर्माण काफी दिनों तक लंबित रहा। विभाग ने समय-समय पर ठेकेदार को निर्माण कार्य पूरा करने के लिए नोटिस जारी किया। नोटिस जारी करने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं करने के कारण विभाग ने 11 सितंबर 2023 को कार्यादेश निरस्त कर दिया।

शेष कार्य के लिए निविदा का इंतजार

ठेकेदार ने 65 लाख से अधिक राशि लेकर केवल 20 प्रतिशत कार्य ही किया। विभाग की ओर से समीक्षा कर 80 प्रतिशत कार्य के लिए नए सिरे से निविदा जारी करने का प्रस्ताव रखा, लेकिन अब तक इसकी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी।

सरकार बदलने से मामला अटका

बताया जाता है कि रमन सरकार के समय इसकी स्वीकृति हुई।भूपेश सरकार आने के बाद निर्माण कार्य की समीक्षा की गई और ठेका निरस्त कर दिया गया। ठेका निरस्त होने के बाद निर्माण पूरा कराए जाने की ओर कांग्रेस सरकार के समय ध्यान नहीं दिया गया। अब भाजपा सरकार वापस आने के बाद निर्माणधीन आश्रम छात्रावास भवन की समीक्षा में यह मामला सामने आया।

निगम मुख्यालय और जोन 4 की टीम ने 5 दशक पुराने नवीन मार्केट का कराया सीमांकन

नवीन बाजार का सीमांकन कार्य पूरा, 4.5 एकड़ निकली जमीन, तहसील से रिपोर्ट का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के फूल चौक मार्ग स्थित पांच दशक पुराने नवीन मार्केट के सीमांकन का काम जोन 4 कमिश्नरी और निगम मुख्यालय की संयुक्त टीम ने पूरा करा लिया है। सीमांकन के बाद यह जमीन 4.50 एकड़ निकली। निगम के पुराने रिकार्ड में भी नवीनबाजार का दायरा 4.50 किलोमीटर क्षेत्र में दर्ज है।

वर्तमान में 2 एकड़ भूमि में दुकानें बनी हैं, जिससे नगर निगम को हर साल राजस्व मिलता है, पर बाकी जगह पर कब्जा कर अवैध रूप से मकान व दुकानें बना ली गयी है। तहसील कार्यालय से जोन 4 कमिश्नरी को सीमांकन रिपोर्ट मिलने का इंतजार है। जोन 4 कमिश्नरी तहसील कार्यालय से सीमांकन रिपोर्ट प्राप्त होते ही आयुक्त विश्वदीप को रिपोर्ट सौंपेगा। इसके बाद नवीन मार्केट के रीडेवलपमेंट प्लान पर काम शुरू होगा। इसके तहत पूरे प्रोजेक्ट के लिए कंसलटेंट नियुक्ति करने जल्द ऑनलाइन टेंडर किया जाएगा।

शहर के प्राइम लोकेशन पर स्थित 50 साल पुराना नवीन मार्केट टूटेगा। इसके लिए रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर रीडेवलपमेंट का प्लान तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में निगम के आधिपत्य वाले नवीन बाजार की करीब ढाई एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा है। इसे देखते हुए महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नवीन मार्केट परिसर का सीमांकन जोन 4 कमिश्नर अरुण ध्रुव और मुख्यालय की टीम के माध्यम से कराया गया है। सीमांकन रिपोर्ट तहसील से जल्द प्राप्त होगी। इसके बाद योजना शाखा के माध्यम से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जायेगी। विदित हो कि नवीन मार्केट के पीछे की जमीन अभी तक वक्फ बोर्ड के कब्जे में थी, अब वह संभाग आयुक्त के आदेश पर निगम प्रशासन को मिल गयी है।

रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर रीडेवलपमेंट प्लान

नवीन बाजार का कायाकल्प, राजस्व बढ़ेगा

50 साल पुराना नवीन बाजार अब आधुनिक व्यावसायिक परिसर का रूप लेगा, इससे बाजार की सुंदरता बढ़ेगी और नवीन मार्केट का दायरा भी बढ़ेगा। हमने जमीन का सीमांकन कराया है, रिपोर्ट आने के बाद ढाई एकड़ जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराते हुए पूरे एरिया का कंपलीट प्रोजेक्ट बनेगा। नए परिसर से निगम के राजस्व में अतिरिक्त वृद्धि होगी।

- मीनल चौबे, महापौर, ननि, रायपुर

शौचालय की सुविधा, सीसीटीवी कैमरे से लैस होगा परिसर

नवीन मार्केट को नया स्वरूप दिए जाने की योजना में परिसर की सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए पूरे परिसर को सीसीटीवी कैमरे से लैस किया जाएगा। परिसर के दुकानदारों और वहां आने-जाने वाले ग्राहकों की सुविधा के लिए शौचालय की सुविधा तथा पेयजल की व्यवस्था रहेगी। पुराने मार्केट में शौचालय की सुविधा नहीं होने से दुकानदारों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। इसके साथ ही पेयजल की समुचित व्यवस्था की जरूरत है। बहुमंजिला परिसर में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा साथ ही लिफ्ट की सुविधा का प्रावधान रहेगा।

पंडरी जैसा व्यावसायिक परिसर बनेगा

नवीन मार्केट के पुराने व्यावसायिक परिसर को तोड़कर पंडरी मार्केट की तरह आधुनिक व्यावसायिक परिसर बनाने की योजना है। नए प्लान के दायरे के सभी पुराने निर्माण को तोड़कर अपने आधिपत्य की पूरी जमीन नगर निगम कब्जे में लेगा। अभी निगम के पास की ढाई एकड़ जमीन अवैध रूप से लोगों के कब्जे में है। नया निर्माण होने पर मार्केट का दायरा दोगुना हो जाएगा। इसके लिए पूरे परिसर का सीमांकन कराया गया है। इसी आधार पर डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट निगम तैयार करायेगा। कैंपस में 500 से 1000 दुकानों वाला हर सेक्टर के लिए बड़ा बाजार होगा। प्लान को आधुनिक परियोजना के तहत धरातल पर लाना है, इसलिए दुकानों के हिसाब से वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त जगह रखी जाएगी। इससे फायदा यह होगा कि एमजी रोड, शारदा चौक और बंजारी रोड की तरफ योजना के मुताबिक नवीन मार्केट के पुनर्विकास से यह क्षेत्र नए व्यावसायिक परिसर के रूप में नजर आएगा।

पूरी भर्ती नहीं हो सकी, हार्ट सर्जरी विभाग को काम चलाने मिले एक परफ्यूजिनिस्ट, एक फिजिशियन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

काफी कोशिशों के बाद प्रदेश के एकमात्र शासकीय कार्डियक सर्जरी विभाग को काम चलाने के लिए एक फरफ्यूजिनिस्ट और एक फीजिशियन मिल पाए हैं। इससे विभाग में ओपन हार्ट एवं बाईपास सर्जरी का रास्ता खुल गया है। विभाग में दोनों पदों के तीन-तीन कर्मचारियों की भर्ती होनी थी।

- **तीन-तीन पदों पर होनी थी भर्ती, शुरू हुई ओपन हार्ट और बाईपास सर्जरी**

आंबेडकर अस्पताल के कार्डियक सर्जरी विभाग में परफ्यूजिनिस्ट और फीजिशियन असिस्टेंट की नियुक्ति के अभाव में बाईपास जैसे महत्वपूर्ण ऑपरेशन पूरे नहीं हो पा रहे थे। इसके लिये विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किया जा रहा था। स्वीकृत पदों पर संविदा आधार पर भर्ती के लिए विभागीय स्वीकृति मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा काफी दिनों से प्रयास किया जा रहा था, जो कुछ हद तक सफल हुआ है।

जानकारी के अनुसार दोनों श्रेणी के लिए तीन-तीन पद स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें एक-एक कर्मचारी की नियुक्ति कर दी गई है। इससे विभाग में आने वाले मरीजों की सर्जरी और पोस्ट केयर की सुविधा मिलने लगी है। इससे विभाग में हृदय की नसों के साथ ओपन हार्ट और बाईपास सर्जरी भी प्रारंभ हो चुकी है। सूत्रों का कहना है कि एक-एक कर्मचारी ने काफी कोशिश के बाद ज्वाइनिंग दी है, मगर इसी पद के लिए चयनित हुए अन्य कर्मचारियों ने नियुक्ति लेने से इनकार कर दिया था।

एक बार सामान का टोटा

सूत्रों के अनुसार कार्डियक सर्जरी विभाग में मरीजों के ऑपरेशन की प्रक्रिया नियमित नहीं हो पाई है। कुछ समय पहले यहां एक महिला की बाईपास सर्जरी की गई थी। इसके बाद से यहां सर्जरी के लिए आने वाले मरीजों को वापस लौटाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार विभाग में जरूरी सामान की सप्लाई एक बार फिर प्रभावित हुई है। अस्पताल प्रबंधन को इसकी जानकारी दी जा चुकी है और उनके द्वारा व्यवस्था को सामान्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

दो मेडिकल कालेज में सुविधा की योजना

हृदय की बीमारी के इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल में निर्भरता खत्म करने के लिए राज्य शासन द्वारा बिलासपुर के सिम्स और जगदलपुर के शासकीय कालेज में उपचार की सुविधा प्रारंभ करने की तैयारी थी। डाक्टरों सहित अन्य स्टाफ और जरूरी उपकरण के अभाव में इसका काम प्रारंभिक स्तर से आगे नहीं बढ़ पाया है। जरूरी स्टाफ नहीं मिलने की बड़ी वजह वेतन की कमी को बताया जाता है।

ईदगाहभाठा मैदान में गणेश मूर्तियों की विक्रय पर उहापोह, हिंद स्पोर्टिंग एसोसिएशन की आपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लाखे नगर स्थित हिन्द स्पोर्टिंग खेल मैदान को गणेशोत्सव पर्व के मौके पर मूर्तिकारों को गणेश मूर्ति के विक्रय के लिए उपलब्ध कराने पर एसोसियेशन ने ऐतराज जताया है। महापौर मीनल चौबे से मिलकर एसोसियेशन के पदाधिकारी ने आपत्ति जताई है।

- **खेल मैदान को अन्य प्रयोजन के लिए नहीं देंगे : आकाश दुबे**

एसोसियेशन के महासचिव आकाश दुबे ने कहा है कि खेल मैदान का उपयोग केवल खेलकूद के लिए किया जाना चाहिए, इसे दिवाली के समय पटाखा बाजार सहित अन्य व्यवसायिक प्रयोजन के लिए उपयोग में न लाया जाए। हमने पहले ही खेल मैदान के व्यवसायिक उपयोग पर मनाही कर रखी है, ऐसे में इस मैदान पर मूर्तियों के विक्रय को लेकर संशय बना है।

एसोसियेशन के महासचिव आकाश दुबे का कहना है कि पूर्व में भी जब इस खेल मैदान का व्यसायिक उपयोग का प्रोजेक्ट निगम की ओर से लाया गया तब हमने इसका विरोध किया था। चूंकि शहर के मध्य का यह खेलमैदान है जहां अभी इंटर स्कूल खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होना है, ऐसे स्कूली विद्यार्थियों को खेल की प्रेक्टिस करने में दिक्कत होगी। इसलिए खेल मैदान को इसे मूर्तियों के विक्रय के लिए उपलब्ध न कराया जायेगा।

विदित हो, गणेशोत्सव के पर्व को देखते हुए नगर निगम जोन 5 और जोन 7 क्षेत्र में सड़क किनारे मूर्तियों के विक्रय से होने वाले ट्रैफिक जाम को देखते हुए महापौर मीनल चौबे ने शहर के मूर्तिकार और मूर्ति विक्रेताओं के साथ चर्चा कर लाखेनगर के हिन्द स्पोर्टिंग मैदान को गणेश मूर्तियों के विक्रय के लिए निःशुल्क रूप से अस्थायी बाजार के रूप में उपलब्ध कराने पहल की। इसकी जानकारी मिलते ही हिन्द स्पोर्टिंग एसोसियेशन की ओर से महापौर के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई गई।

आपत्ति की है

लाखे नगर के हिन्द स्पोर्टिंग खेल मैदान में जनहित को देखते हुए गणेश उत्सव के मौके पर गणेश जी की मूर्तियों के विक्रय करने अस्थायी रूप से मूतिकारों को स्थल उपलब्ध कराने व्यवस्था दी गयी थी, चूंकि हिन्द स्पोर्टिंग एसोसियेशन को इस पर आपत्ति है इसलिए इस पर विचार किया जाएगा।

- मीनल चौबे, महापौर, नगर निगम रायपुर

वीमेंस फार ट्री के लिए 60 लोकेशन पर 236 महिलाओं का होगा चयन, 30 लोकेशन के लिए सिंगल समूह का नाम, महापौर बिफरीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम द्वारा वीमेंस फार ट्री अभियान में शहर के 60 चयनित लोकेशन पर पौधारोपण करने स्वसहायता समूह की 236 महिलाओं का चयन किया जाना है। इसके लिए निगम से पंजीकृत समूह की महिलाओं से आवेदन मंगाये गये, जिसमें 30 लोकेशन में सिंगल महिला समूह का नाम आया है, जबकि बाकी के 30 लोकेशन ऐसे हैं, जहां से 3 से 5 महिला समूह की महिलाओं ने इस अभियान से जुड़ने आवेदन किया है। ऐसे में 30 लोकेशन पर सिंगल समूह का ही आवेदन आने पर महापौर मीनल चौबे ने अचंभा जताते हुए प्रोजेक्ट के मिशन प्रबंधक और प्रभारी अधिकारी को इस बात के लिए फटकार लगाई कि जब प्रत्येक वार्ड में कम से कम आधा दर्जन महिला स्वसहायता समूह काम कर रहे है, तो 30 लोकेशन के लिए सिंगल महिला समूह के नाम कैसे आए? उन्होंने इसके लिए दोबारा इस अभियान के लिए नए सिरे से विधानसभा वार आवेदन मंगाने के निर्देश दिये हैं। चयनित समूह की महिला को इस कार्य के एवज में 8 हजार रुपये प्रति माह की प्रोत्साहन राशि मिलेगी। यह राशि 1 साल तक शासन की योजना के तहत दी जाना है।

- **100 रुपए के आवेदन फार्म को 3 सौ रुपये में बेचने की शिकायत पर नाराज**

नगर निगम उद्यान विभाग की वीमेंस फॉर ट्री अभियान में 60 लोकेशन पर पेड़ पौधे लगाने, सिंचाई कर उसकी देखरेख करने महिलाओं को जिम्मा दिया जा रहा है। इसके लिए आवेदन मंगाये गये हैं। 60 लोकेशन पर 236 ऐसी महिलाएं जो निगम से पंजीकृत महिला स्वसहायता समूह की सदस्य हैं, उनसे आवेदन मंगाया गया।

चयनित महिलाओं को इस कार्य के लिए प्रति माह 8 हजार रुपये मेहनताना के रूप में मिलेगा। एक साल तक यह राशि पौधों की देखरेख, सिंचाई और पौधों की सुरक्षा करने पर दिया जाएगा।

30 लोकेशन पर सिंगल समूह की महिलाओं को मौका देना उचित नहीं

इसी कड़ी में नगर निगम ने शहरी आजीविका मिशन के माध्यम से स्वसहायता समूह की महिलाओं से अलग-अलग लोकेशन के लिए आवेदन मंगाए। इसमें 30 लोकेशन के लिए 3 से 5 महिला स्वसहायता समूह की महिलाओं ने निर्धारित आवेदन फार्म में आवेदन जमा कराये, बाकी के 30 लोकेशन में सिंगल समूह के आवेदन प्राप्त हुए। ऐसे में इन 30 लोकेशन पर सिंगल समूह की महिलाओं को वीमेन फार ट्री में पौधारोपण का जिम्मा दिया जाना है, जबकि एक से ज्यादा समूह की महिलाओं का आवेदन इसके लिए नियमतः जरूरी है। गांधी सदन में सोमवार को महापौर को विभागीय अधिकारियों ने इस बात से अवगत कराया। इस पर महापौर मीनल चौबे ने दो टूक शब्दों में कहा कि जरूरतमंद महिलाओं को इस कार्य का जिम्मा देने इस अभियान का मकसद है, आनन फानन में 30 लोकेशन पर सिंगल समूह की महिलाओं को मौका देना उचित नहीं है, इसलिए दोबारा आवेदन मंगाया जाए।

आवेदन फार्म का तिगुना शुल्क लेने पर नाराजगी

महापौर ने बताया कि आवेदन करने वाली कुछ महिलाओं की शिकायत आई है कि उन्हें 100 रुपये निर्धारित शुल्क के बजाय निगम से 300 रुपये शुल्क आवेदन फार्म उपलब्ध कराया गया है। शिकायत पर महापौर ने नाराजगी जताते हुए कहा है कि आवेदन पत्र के लिए निर्धारित शुल्क ही लिया जाये, इससे ज्यादा शुल्क लेना गलत है। उन्होंने प्रोजेक्ट के प्रभारी अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिये कि पौधारोपण के इस महत्वपूर्ण अभियान में महिला समूह की महिलाओं को जोड़ने दोबारा शहरभर में पंजीकृत महिला समूह से आवेदन मंगाये जाएं, यह कार्य विधानसभा वार होना चाहिए। यानी चार विधानसभा क्षेत्र के हिसाब से 15-15 लोकेशन तय कर जरूरतमंद महिलाओं को इस कार्य का जिम्मा दिया जाए।

जगह की कमी, इसलिए...

कक्षा के 80 छात्रों की भी बैठक व्यवस्था भी एक ही कक्ष में है। जांच टीम ने अभी अपनी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया पर कहा जा रहा है कि उनकी राय यही है कि कम जगह में अधिक छात्रों को बैठाए जाने के कारण यह स्थिति निर्मित हो रही है। सांस लेने के लिए शुद्ध वायु नहीं मिल पाने के कारण घुटन की स्थिति निर्मित हो जाती है। इस कारण ही विद्यार्थी नियमित रूप से बेहोश होकर गिर रही हैं। जो छात्र जांच के दौरान शाला में उपस्थित थे, उनका स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। शाला प्रबंधन का कहना है कि विद्यालय में जगह नहीं होने के कारण उन्हें एक ही कक्ष में इतनी अधिक संख्या में छात्रों को बैठाना पड़ता है।

गाड़ी टकराने के विवाद...

हिस्ट्रीशीटर पप्पू यादव ने चाकू से ताबड़तोड़ वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना दिनांक को किसी कन्हैया ध्रुव ने ऑनलाइन पिज्जा के लिए आर्डर किया था। आर्डर पर पिज्जा देने हेमंत निकला था। बिजली ऑफिस चौक के पास हेमंत की बाइक पप्पू की बाइक से टकरा गई। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। इसी दौरान पप्पू ने जेब से चाकू निकालकर हेमंत के पेट तथा छाती में वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया, जिसे पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया।

120 शिक्षक मूल्यांकन...

कॉपियों में 50 नंबर से भी अधिक अंक बढ़ गए हैं। इन पर 6 साल का बैन लगा है। ना केवल मूल्यांकन कार्य बल्कि इन्हें माशिम के सभी तरह के पारिश्रमिक कार्यों से वंचित किया गया है। यही नहीं इन शिक्षकों की एक वर्ष की वेतनवृद्धि रोकने विभाग से अनुशंसा की गई है। इन शिक्षकों की सूची माशिम की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

पेज 11 के शेष ...

अगले तीन दिन पानी...

और पश्चिम मध्य में एक निम्न दाब का क्षेत्र बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य में बारिश की गतिविधि में बढ़ोतरी होने की संभावना है। अगले तीन दिन तक अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही दक्षिणी हिस्से के एक दो स्थानों पर व्यापक वर्षा का दौर शुरू होने की संभावना है।

सोमवार को राजधानी के मौसम में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ। दिनभर चिपचिपाहट भरी गर्मी के साथ अधिकतम तापमान 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से चार डिग्री अधिक था। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में पिछले चौबीस घंटे में कुसमी में 60 मिमी. सर्वाधिक बारिश दर्ज की गई।

सालभर बाद भी नहीं...

हो गया और स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोनाकाल में उसका उपयोग स्टोर रूम के रूप में किया गया था। सालभर पहले विभाग द्वारा उक्त भवन को डेंटल कालेज प्रबंधन को हैंडओवर किया गया उसी दौरान उसे आधुनिक सुविधा वाली लाइब्रेरी बनाने की योजना बनाई गई। दंत चिकित्सालय के स्वशासी समिति द्वारा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इसके लिए फंड भी रिलीज कर दिया था। लाइब्रेरी के लिए किताबों सहित अन्य संसाधन जुटाने और पुरानी बिल्डिंग में आवश्यकता अनुसार रिनोवेशन करने करने की जिम्मेदारी सीजीएमएससी को दी गई थी।

उसके द्वारा सालभर बीतने के बाद भी प्रक्रिया पूरी नहीं कई गई, जिसकी वजह शुरू होने वाले शिक्षण सत्र में भी विद्यार्थियों को पुराने पुस्तकालय से काम चलाना पड़ेगा। नई लाइब्रेरी बनने के बाद पुरानी का उपयोग एग्जाम हॉल के रूप में करने की योजना थी, जो पूरी नहीं हो सकी है। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय में सौ यूजी पचास से अधिक पीजी और करीब सौ की संख्या में इंटर्न छात्रों को अपने अध्ययन के लिए लाइब्रेरी की आवश्यकता होती है।

शराब दुकान खोलने के...

की दुकानें पूरी तरह बंद करने मांग की है। प्रदर्शनकारियों के अनुसार शराब दुकान खोले जाने से बच्चों पर बुरा असर पड़ेगा। साथ ही खम्हारडीह जैसे व्यस्त चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ेगी। आबकारी अफसरों के अनुसार, नियमों के आधार पर शराब दुकान खोली जा रही है। चक्काजाम के चलते पुलिस को ट्रैफिक डायवर्ट करना पड़ा। ट्रैफिक डायवर्ट करने से लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने लंबा रास्ता तय कर जाना पड़ा। प्रदर्शन के चलते जगन्नाथ मंदिर जाने वाले मार्ग से लेकर बीटीआई ग्राउंड जाने वाले मार्ग पर लंबा जाम लग गया।

परिवहन कार्यालय का आधुनिकीकरण करने निरीक्षण में पहुंचे अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाने के काम में तेजी लाने तथा परिवहन कार्यालयों का आधुनिकीकरण करने परिवहन सचिव एस. प्रकाश तथा अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर सोमवार को धमतरी, बालोद तथा दुर्ग स्थित परिवहन कार्यलयों का आकास्मिक निरीक्षण करने पहुंचे। संबंधित जिलों में परिवहन कार्यालयों का निरीक्षण करने के बाद अफसरों ने संबंधित अफसरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परिवहन कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे अफसरों ने धमतरी में एचएसआरपी फिटमेंट सेंटर का अवलोकन किया। फिटमेंट सेंटर में आए लोगों की समस्या सुन फिटमेंट सेंटर के कर्मचारियों को लोगों की समस्या का जल्द से जल्द निराकरण करने निर्देश दिए। इसी तरह बालोद में परिवहन कार्यालय के रखरखाव एवं साफ सफाई का निरीक्षण करने के साथ शासन द्वारा प्रस्तावित भूमि पर ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर बनाने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

- **जायजा लेने सचिव, अपर परिवहन आयुक्त धमतरी, बालोद एवं दुर्ग पहुंचे**

दुर्ग में बनेगा नया परिवहन कार्यालय

धमतरी, बालोद के बाद परिवह अफसर दुर्ग स्थित परिवहन कार्यालय का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान परिवहन कार्यालय की जर्जर स्थिति को संज्ञान में लेते हुए बालोद रोड, पुलगांव में शासन द्वारा ड्रायविंग ई-ट्रैक के निर्माण के लिए आबंटित शासकीय भूमि पर ही नवीन परिवहन कार्यालय निर्माण करने दिशा निर्देश दिए।

खबर संक्षेप

विश्वरंजन ने किया सत्य साईं एफपीओ और प्रोजेक्ट नैनो का निरीक्षण

रायपुर। जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन ने सोमवार को धरसींवा विकासखंड के ग्राम टेकारी में संचालित सत्य साईं एफपीओ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों और उनकी विपणन व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली और समूह की महिलाओं के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने ग्राम गिरौद पहुंचकर जिला प्रशासन की अभिनव पहल प्रोजेक्ट नैनो के अंतर्गत ड्रोन तकनीक से किए जा रहे नैनो उर्वरकों के छिड़काव का निरीक्षण किया। इस दौरान कृषि उपसंचालक सतीश अवस्थी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक मोतीलाल ने अपने जन्मदिन पर किया पौधरोपण

रायपुर। जिला रायपुर में हरियर पाठशाला कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में वृक्षारोपण कार्यक्रम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक मोतीलाल साहू ने अपने जन्मदिन के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल उरकुरा, संकुल उरकुरा में हरियर पाठशाला के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान 101 पौधे रोपे गए। इस अवसर पर विधायक ने भी पौधा लगाया। इसके अलावा प्राथमिक शाला रावाभाठा, पूर्व माध्यमिक शाला रावाभाठा एवं हाई स्कूल रावाभाठा में कुल 500 पौधे, ग्राम रानीसागर के प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला प्रांगण में सरपंच तानसिंग साहू, सचिव अंजू साहू तथा पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शाला परिसर में कुल 300 पौधे रोपे गए।

लुकमान अली शाह का उर्स आज से

रायपुर। हजरत सैय्यद बाबा लुकमान अली शाह बगदादी, पीडब्ल्यूडी चौक, कटोरातालाब वाले का सालाना उर्स मनाया जाएगा। 12 अगस्त को दोपहर 3 बजे आस्ताने औलिया से संदल चादर निकाली जाएगी। नमाज मगरीब चादरपोशी होगी। शाम 7 बजे से शमा महफिल होगी, जिसमें न्याल बंधु एंड पार्टी कलाम पेश करेंगे। 13 अगस्त की सुबह 8 बजे कुल की फातिहा होगी।

विवाद के बाद पिता ने बेटे पर किया चाकू से हमला

रायपुर। आमानाका थाने में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ बेटे के सिर पर चाकू से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आजाद नगर, डूमरतालाब निवासी आरती लहरे ने टिंगलू लहरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह अपने भाई को राखी बांधने भिलाई गई थी। रात को वापस लौटने पर टिंगलू अपनी पत्नी के साथ विवाद करने लगा। इस पर बेटे ने बीचबचाव किया। नाराज होकर टिंगलू ने अपने बेटे के सिर पर चाकू से हमला किया।

ग्रीन सिग्नल का इंतजार हो रहा खत्म, एक ही ब्लॉक सेक्शन में दौड़ रही ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

अचानक से जब ट्रेन रुकती है, तो यात्रियों को लगता है कि आगे सिग्नल ग्रीन नहीं है। कभी-कभी यह इंतजार काफी लंबा हो जाता है, लेकिन जोन में सिग्नल को लेकर इंतजार धीरे-धीरे खत्म होता रहा है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पटरियों के विस्तार के साथ आधुनिक तकनीक अपनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

इसी कड़ी में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम को लागू करने का कार्य बीते दो वर्षों से जारी है। दपूमरे जोन की कुल 2,447 रूट किलोमीटर में से 462 किलोमीटर पर यह नई व्यवस्था लागू की जा चुकी है। इससे ट्रेनों के परिचालन में तेजी और सटीकता आई है। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि कुम्हारी और सरोना के बीच चल रही ट्रेनों की सटीक लोकेशन अब यात्री मोबाइल एप पर देख पा रहे हैं, जबकि जिन सेक्शनों में यह सिस्टम लागू नहीं हुआ है, वहां लाइव लोकेशन में औसतन 3-4 मिनट का अंतर दिख रहा है। रायपुर स्टेशन पर भी प्लेटफार्म उपयोग की दक्षता बढ़ी है। अब एक ही प्लेटफार्म से लगातार दो ट्रेनों का संचालन संभव हो रहा है पहली ट्रेन के रवाना होते ही दूसरी ट्रेन प्लेटफार्म पर लग जाती है। प्लेटफार्म नंबर 7 पर यह प्रयोग सफल साबित हुआ है। वर्तमान में दपूमरे के बिलासपुर–दगोरी, बिलासपुर–घुटकू, बिलासपुर–चांपा–गेवरा रोड, नागपुर–दुर्ग, भिलाई–कुम्हारी और कोतरलिया–जामगा रेलखंडों पर यह प्रणाली लागू है। रेलवे का दावा है कि इन सेक्शनों में ट्रेनों का परिचालन पहले की तुलना में अधिक सुचारू और सुरक्षित हुआ है।

एक ही ब्लॉक सेक्शन में एक के पीछे एक ट्रेन दौड़ती दिखी

जब हरिभूमि ने दुर्ग और भिलाई व कुम्हारी रेलखंड पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नल सिस्टम का असर करीब से देखा, तो नजारा बिल्कुल बदला हुआ था। पहले जिस ब्लॉक सेक्शन में एक समय पर सिर्फ एक ही ट्रेन चल सकती थी, अब उसी मार्ग पर एक के पीछे एक ट्रेनें दौड़ रही थीं। जैसे ही स्टेशन यार्ड से एक ट्रेन प्रस्थान करती, तुरंत अगले सेक्शन के लिए ग्रीन सिग्नल जल उठता और पीछे की ट्रेन आगे बढ़ जाती। कहीं भी यह इंतजार नहीं था कि आगे वाली ट्रेन अगला स्टेशन पार करे, तब ही दूसरी ट्रेन रवाना हो। सिस्टम तेजी से काम कर रहा था। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस तकनीक से न केवल ट्रेनों की गति में बढ़ोतरी हुई है, बल्कि एक ही ट्रैक पर ट्रेनों की संख्या भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। साथ ही, ट्रेनों की रीयल-टाइम लोकेशन हर पल उपलब्ध रहती है, जिससे संचालन और भी सुरक्षित और कुशल हो गया है।

- जोन के 462 किमी रेलखंड पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग लागू
- नई प्रणाली में एक सेक्शन में एक साथ अधिक ट्रेनों का किया जा रहा परिचालन
- एप पर सटीक रीयल-टाइम लोकेशन भी

तकनीकी खामी की सूचना पीछे चल रही ट्रेन को भी मिली

कुम्हारी और सरोना के बीच हाल ही में ओएचई लाइन में आई खराबी से 20 से अधिक ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ था। हालांकि, ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम के कारण दुर्ग से आ रही ट्रेनों तक इसकी जानकारी समय पर पहुंच गई। नई व्यवस्था के तहत स्टेशन यार्ड के एडवांस स्टार्टर सिग्नल से आगे लगभग एक-एक किलोमीटर की दूरी पर सिग्नल लगाए गए हैं। इससे ट्रेनें सिग्नल के सहारे एक-दूसरे के पीछे सुरक्षित दूरी पर चलती रहती हैं। यदि किसी सिग्नल में तकनीकी खामी आती है, तो सिस्टम तुरंत पीछे चल रही ट्रेनों को सूचना भेज देता है, जिससे वे वहीं रुक जाती हैं और संभावित दुर्घटनाओं से बचाव हो जाता है। सिग्नल की नई व्यवस्था का लाभ मिल रहा है।

चारपहिया के साथ ही दोपहिया वाहनों की बिक्री भी बीते साल से कम हो गई

प्रदेश में चार माह से वाहन बिक्री की रफ्तार मंद, त्योहारी सीजन में तेजी की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में अप्रैल से लेकर जुलाई तक के चार माह ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए मंदी वाले रहे हैं। चार माह से वाहनों की बिक्री की रफ्तार मंद हो गई है। अब इस माह से त्योहारी सीजन का आगाज हो रहा है, तो इसमें रफ्तार में तेजी आने की संभावना है, लेकिन यह तेजी बीते साल जितनी होगी, यह कहा नहीं जा सकता । बीते साल तो अपने प्रदेश में रिकॉर्ड सात लाख वाहन बिके थे। बीते पांच साल से वाहन बिक्री का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इस साल जिस तरह से चार माह का समय बीता है, उससे लगता है पांच साल बाद कम वाहनों की बिक्री का रिकॉर्ड बन सकता है।

वाहन बिक्री के लिए इस बार अप्रैल से जब नया सत्र प्रारंभ हुआ तो इस सत्र में कारों की कीमत बढ़ने के कारण कारों की बिक्री तो प्रभावित हुई ही, साथ ही दोपहिया वाहनों की बिक्री भी प्रभावित हो गई। अप्रैल में जहां कारों की बिक्री 20 फीसदी प्रभावित हुई, वहीं दुपहिया वाहन भी बीते साल से सवा सात फीसदी कम बिके। कारोबारियों को लगा, अगले माह सब ठीक हो जाएगा, लेकिन मई में अप्रैल से भी बड़ा झटका लगा। इस माह जहां दुपहिया वाहन बीते साल से करीब 10 फीसदी कम बिके, वहां कारों की बिक्री 30 फीसदी तक प्रभावित हो गई। मंदी का यह सिलसिला जून में भी जारी रहा। जून में एक बात अच्छी रही है कि इस माह दुपहिया वाहनों की बिक्री बीते दो माह से कम प्रभावित रही, लेकिन बीते साल की तुलना में फिर भी चार फीसदी वाहन कम बिके। इसी तरह से कारों के मामले में मई से थोड़ा फायदा हुआ और जून में बीते साल से 20 फीसदी वाहन कम बिके। जुलाई की बात करें तो इस माह दुपहिया वाहनों को बड़ा झटका लगा है। इस माह बीते साल से करीब 15 फीसदी कम वाहन बिके हैं। कारों की मंदी कुछ कम हो गई है और इस माह जहां जून से ज्यादा वाहन बिके हैं, वहीं बीते साल से फिर भी 10 फीसदी कम वाहन बिके हैं।

त्योहारी सीजन में बढ़ेगी रफ्तार

इस माह से त्योहारी सीजन का आगाज हो रहा है। रक्षाबंधन के बाद से ही त्योहारी सीजन प्रारंभ हो जाता है। सबसे पहले गणेश चतुर्थी में 11 दिनों तक लगातार वाहन बिकेंगे। इसके बाद हालांकि पितृपक्ष लग जाता है, लेकिन इसके बाद नवरात्रि और फिर दीपावली के कारण बहुत ज्यादा खरीदारी होती है। कारोबारियों को इस बार भी बीते साल की तरह अच्छा कारोबार होने की संभावना है।

पांच साल लगातार बढ़ा ग्राफ

प्रदेश में पांच साल से बिक्री का आंकड़ा लगातार बढ़ा है। जहां 2020 में साल भर में 481797 बिके, वहीं 2021 में यह आंकड़ा कम होकर 455859 हो गया। यह साल कोरोना काल का साल था, इसलिए वाहनों की बिक्री कुछ कम हुई। लेकिन इसके बाद 2022 में पहली बार आंकड़ा पांच लाख के पार गया और इस साल 501194 वाहन बिके। 2023 में यह रिकॉर्ड भी टूट गया और इस साल 564443 वाहन बिके। पहली बार बीते साल 2024 में करीब सात लाख वाहन बिके हैं। अब इस साल क्या होता है, यह साल के अंत में मालूम होगा।

त्योहारी सीजन अच्छा रहेगा

चार माह से कारोबार प्रभावित हो रहा है, लेकिन इसका कोई खास कारण नहीं दिख रहा है। संभावना है कि इस माह से त्योहारी सीजन प्रारंभ हो रहा है, तो त्योहारी सीजन में दीपावली तक अच्छा कारोबार होगा।

- **विवेक गर्ग**, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ फाडा

साय रायपुर में करेंगे ध्वजारोहण तोखन बस्तर, रमन सरगुजा में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- दोनों, डिप्टी सीएम, लोकसभा, राज्यसभा सदस्य, मंत्री और विधायक जिलों में फहराएंगे ध्वज

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में राजधानी रायपुर के पुलिस मैदान पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और परेड की सलामी लेंगे। बस्तर जिला मुख्यालय में केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा दुर्ग में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा मुख्य समारोह में ध्वजारोहण करेंगे। राजनांदगांव में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ध्वजारोहण करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरगुजा में आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, गरियाबंद में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, बालोद में वन मंत्री केदार कश्यप, कोरबा में उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, जशपुर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, रायगढ़ में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, सूरजपुर में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, बलौदाबाजार में सांसद बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा में सांसद विजय बघेल, कवर्धा में सांसद संतोष पांडेय, बलरामपुर में सांसद चिंतामणि महाराज, महासमुंद में सांसद रूपकुमारी चौधरी, सारंगढ़ में सांसद राधेश्याम राठिया, सक्ती में सांसद कमलेश जांगड़े, बीजापुर में सांसद महेश कश्यप, कांकेर में सांसद भोजराज नाग, तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ध्वजारोहण करेंगे। मुंगेली जिला मुख्यालय में विधायक पुन्नूलाल मोहले, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में विधायक धरमलाल कौशिक, कोरिया में विधायक अमर अग्रवाल, धमतरी में विधायक अजय चंद्राकर, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में विधायक रेणुका सिंह, कोंडागांव में विधायक लता उसेंडी, नारायणपुर में विधायक विक्रम उसेंडी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में विधायक राजेश मूणत, दंतेवाड़ा में विधायक किरण देव और सुकमा जिला मुख्यालय में विधायक धरमजीत सिंह स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण करेंगे।

भारतीय ज्ञान आधारित ग्लोबल करिकुलम बनाएगा सीबीएसई, विदेशी स्कूल भी ले सकेंगे मान्यता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड जल्द ही इंटरनेशनल बोर्ड के तौर पर स्थापित होगा। इसे लेकर सीबीएसई ने एक प्लान तैयार किया है, जिसके तहत सीबीएसई ग्लोबल करिकुलम तैयार करने जा रहा है। इस करिकुलम के निर्माण की तैयारियां सीबीएसई की तरफ से शुरू हो गई हैं। इस संबंध में प्रस्ताव 25 जून को हुई सीबीएसई गवर्निंग बॉडी की 141वीं बैठक में लाया गया था। गवर्निंग बॉडी ने प्रस्ताव को मंजूर कर फाइनेंस कमेटी के पास भेज दिया है। बैठक के मिनट्स के अनुसार ग्लोबल करिकुलम बनाने के लिए सीबीएसई भारतीय ज्ञान परंपरा पर फोकस करेगा।

ग्लोबल करिकुलम विकसित करने के पीछे सीबीएसई का उद्देश्य विश्व स्तर पर मौजूदा शैक्षणिक बोर्डों का विकल्प बनना है। इसके लिए सीबीएसई भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित अपने विशिष्ट अनुभव का इस्तेमाल करेगा। सीबीएसई ने कहा है कि अभी तक इंटरनेशनल स्कूल दूसरे शैक्षणिक बोर्डों से संबद्धता रखते हैं। ग्लोबल करिकुलम बनने से ऐसे स्कूलों के पास सीबीएसई के करिकुल को अपनाने का विकल्प होगा।

- गवर्निंग बॉडी की बैठक में रखा गया था प्रस्ताव, अब बनेगी पाठ्यक्रम के लिए कमेटी
- टेक्निकल सपोर्ट यूनिट के लिए ढूंढी जाएगी एजेंसी

20 करोड़ होंगे खर्च

सीबीएसई की योजना ग्लोबल करिकुलम को विकसित करने और समय पर उसे लॉन्च करने की है। इसके लिए सीबीएसई 20 करोड़ रुपए खर्च करेगा। सीबीएसई की 141वीं गवर्निंग बॉडी की बैठक के उपलब्ध मिनट्स के अनुसार ग्लोबल करिकुलम तैयार करने के लिए एक एजेंसी की तलाश की जानी है, जो टेक्निकल सपोर्ट यूनिट के तौर पर काम करेगी। इस एजेंसी का काम ग्लोबल करिकुलम को तैयार करना और उसे लॉन्च करना होगा। इसके लिए अनुमानित बजट 20 करोड़ रुपए रखा गया है, जिसे मंजूरी के लिए फाइनेंस कमेटी के पास भेजा गया है।

एनसीईआरटी के आधार पर होगा तैयार

ग्लोबल करिकुल देश के स्कूलों में लागू होगा या नहीं, इसे लेकर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। एनसीईआरटी के आधार पर ही सीबीएसई ग्लोबल करिकुलम तैयार करेगा। इसलिए इसे देश के स्कूलों में भी लागू किया जा सकता है। कमेटी की रिपोर्ट आने और सिलेबस तैयार होने के बाद ही इस संदर्भ में अंतिम फैसला लिया जाएगा। अगले शैक्षणिक सत्र से इसे अंतिम रूप देने की कोशिशें की जा रही हैं। गौरतलब है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत पहले भी कई बदलाव किए जा चुके हैं। अब एक अन्य बदलाव इसे ग्लोबल स्वरूप देने किया जा रहा है।

कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा बीजापुर से जुटी मितानिनें, मांगों को लेकर प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के दूरस्थ बीहड़ अंचल से हजारों की संख्या में बस में सवार होकर कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले से मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फेसिलेटर और ब्लॉक को आर्डिनेटर रविवार रात नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पहुंचीं। डोम स्थल पर रात गुजारने के बाद सोमवार सुबह वे संभागस्तरीय धरना प्रदर्शन में शामिल हुईं। यह धरना देर शाम तक चलता रहा। लामबंद मितानिनों ने 3 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना स्थल पर जमकर नारेबाजी करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। इसके कारण सोमवार को तूता के धरनास्थल पर सुबह से लेकर देर शाम तक खासी रौनक देखने को मिली।

छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य मितानिन संघ के आव्हान पर प्रदेशभर की 72 हजार मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फेसिलेटर और ब्लाक को आर्डिनेटर 7 अगस्त से तूता स्थित धरना स्थल पर अपनी लंबित मांगों को लेकर शासन का ध्यान आकर्षित कराने आंदोलन कर रही हैं। इसी कड़ी में सोमवार को बस्तर संभाग की मितानिन बड़ी संख्या में धरना स्थल पर मौजूद रहीं। उन्होंने 3 सूत्रीय मांगों को लेकर संभाग स्तरीय प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में बस्तर संभाग के कांकेर, कोंडागांव, नारायपुर, दंतेवाड़ा, सुकमा और बीजापुर जिले की मितानिन बड़ी संख्या में शामिल हुईं। संघ की प्रदेश अध्यक्ष सरोज सिंह सेंगर, प्रांतीय सचिव नंद किशोर वासनिक आंदोलनकारी साथियों की हौसला अफजाई करने धरना स्थल पर मौजूद रहे। उन्होंने हरिभूमि को बताया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक मितानिनों का धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। मंगलवार को सुकमा जिले की मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फेसिलटर और ब्लाक कोआर्डिनेटर जिला स्तरीय प्रदर्शन का आगाज तूता धरना स्थल पर करेंगे।

- तूता धरनास्थल पर बस्तर संभाग की मितानिन, मितानिन प्रशिक्षक, हेल्प डेस्क फेसिलटर, ब्लॉक को-आर्डिनेटर का संभाग स्तरीय धरना

तीन सूत्रीय मांग को लेकर आंदोलन

प्रदेश के स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ माने जाने वाली मितानिन 7 अगस्त से 11 अगस्त तक कामबंद कलमबंद हड़ताल कर 3 सूत्रीय मांग के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने संभागवार धरना प्रदर्शन कर रही हैं। 12 अगस्त से इनका जिला स्तरीय धरना प्रदर्शन शुरू हो जाएगा, जिसमें हर दिन प्रदेश के अलग-अलग जिलों से मितानिन नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर आंदोलन में शामिल होंगी। मितानिनों की प्रमुख मांगों में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविलयन, मानदेय क्षतिपूर्ति में 50 फीसदी की बढ़ोतरी और ठेका प्रथा बंद करने की मांग शामिल है।

राज्य के बड़े बांधों में अब तक एक तिहाई जलभराव ही हो पाया

कैचमेंट एरिया से पानी की आवक हुई कम, पिछले दो सालों से कम भरे बांध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आषाढ़ और सावन का महीना गुजर गया, अब तक राज्य में 660 मिमी बारिश हुई है। आने वाले एक पखवाड़े तक मानसून के सक्रिय रहने के बाद छिटपुट बारिश के आसार प्रदेश में बनेंगे। ऐसे में राज्य के बड़े बांधों में अब तक एक तिहाई जलभराव ही हो पाया है, जो पिछले दो सालों से कम है। आने वाले दिनों में बड़े बांधों का जलस्तर कितना बढ़ेगा, यह मानसून पर निर्भर है। विशेषज्ञ बताते हैं कि औसत बारिश के बाद भी बांधों के कैचमेंट एरिया से पानी की आवक में कमी आने से बांधों के जलस्तर पर असर पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ में 12 बड़े बांधों के अलावा 34 छोटे और मध्यम बांधों में जल भराव की स्थिति पिछले दो साल के मुकाबले कम है। वर्तमान में बांधों में 73.78 प्रतिशत जल भराव है। बांधों में इसी तारीख में वर्ष 2023 में 79 और 2024 में 77 प्रतिशत लज भराव की स्थिति थी। मिनी माता बांगों बांध में अभी 80 प्रतिशत जलस्तर है, जो 2024 में 82 प्रतिशत था। वहीं गंगरेल बांध की स्थिति देखें तो पता चलता है कि अभी 77 प्रतिशत जल भराव के मुकाबले पिछले साल 78 और 2023 में 91 प्रतिशत पानी था।

अभी से होने लगी पानी की मांग

धान के फसल की बोआई पूरी होने के साथ ही अब धान की बियासी के लिए पानी की मांग होने लगी है। खेतों में कम पानी होने की बजह से किसानों को फसल बचाने की चिंता होने लगी है। अब गंगरेल से पानी छोड़ने की मांग उठने लगी है। आने वाले एक-दो दिनों में बारिशनहीं हुई तो खेत सूखने पर धान के फसल पर असर पड़ने की संभावना है।

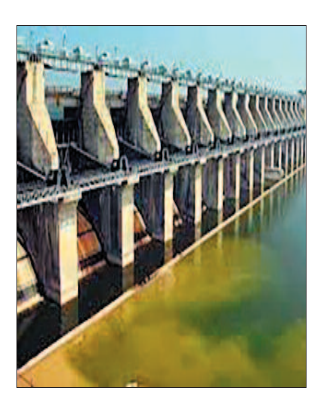

बलरामपुर में सर्वाधिक बेमेतरा में कम बारिश

छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 660 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1106 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 334 मिमी वर्षा हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर में 596 मिमी, बलौदाबाजार में 557 मिमी, गरियाबंद में 543 मिमी, महासमुंद में 547 मिमी और धमतरी में 522 मिमी औसत वर्षा हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 499 मिमी, सूरजपुर में 829 मिमी, जशपुर में 754 मिमी, कोरिया में 781 मिमी और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 725 मिमी औसत वर्षा हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 781 मिमी, कोंडागांव में 511 मिमी, नारायणपुर में 706 मिमी, बीजापुर में 819 मिमी, सुकमा में 527 मिमी, कांकेर में 665 मिमी, दंतेवाड़ा में 708 मिमी और औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

मूर्तिकार की कारीगरी से श्रद्धालु ....

लाइव इवेंट

बच्चों ने जुटाया समाजसेवा के लिए फंड सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिखाया अपना हुनर

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर क्वीन्स ने प्लस फॉर पर्पस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 13 से 18 साल के बच्चों ने सामाजिक कार्य के लिए फंड एकत्रित किया। कार्यक्रम किंगडम ऑफ जॉय में आयोजित हुआ। इस प्रोग्राम में 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और सामाजिक कार्य में अपना योगदान दिया। बच्चों ने 1.8 किमी की रेस, ट्रेजर हंट, आइस बॉथ, कॉफी रेव जैसी गतिविधियों में भाग लिया।

बच्चों के मन में सेवाभाव आत्मनिर्भरता जरूरी

बच्चों द्वारा एकत्रित संपूर्ण राशि समाजसेवा के कार्य के लिए खर्च की जाएगी, जिससे बच्चे के मन में सेवाभाव के साथ आत्मनिर्भरता भी बनी रहे। क्लब की अध्यक्ष दीपिंदर कौर रेहल ने बताया कि बच्चों को ऐसे खेल और सामाजिक कार्यों से जोड़े रखें। कार्यक्रम का नेतृत्व क्लब मेंबर दर्श फलोदिया, आरिया सोमानी, सानिका शर्मा, इंटरैक्ट पिनैकल के अध्यक्ष लक्ष्य गोयल और सचिव अन्वेशा खत्री ने किया। कार्यक्रम में मेंटर्स के तौर पर मीरा खंडेलवाल एवं अदिति अग्रवाल ने बच्चों का मार्गदर्शन किया और आत्मविश्वास, रचनात्मक, संवेदनशील तथा आत्मनिर्भरता से समाज में बदलाव लाने की पहल की।

सिटी इवेंट

ओवर थिंकिंग से बचने मनोवैज्ञानिकों से सलाह लें, युवाओं में तनाव एक गंभीर समस्या

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सोमवार को 'डिजिटल मेंटल हेल्थ' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जहां बतौर मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका शामिल हुए। जिन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल तकनीक का उपयोग नवाचार और रचनात्मकता के लिए करें, लेकिन उस पर पूर्णतः निर्भर होने से बचें। कोविड-19 के बाद डिजिटल माध्यम ने जहां शिक्षा, कार्य और रिश्तों को आसान बनाया है, वहीं इससे तनाव, चिंता और अवसाद जैसी समस्याएं भी बढ़ी हैं। उन्होंने युवाओं को योग, ध्यान और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी, ताकि मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ रखा जा सके। कार्यशाला में रविवि के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला, प्रो. अंबर व्यास शामिल हुए।

एकल परिवार होना मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने का कारण

मानसिक शक्ति फाउंडेशन, मुंबई के संस्थापक एवं मनोवैज्ञानिक डॉ. अमरेश श्रीवास्तव कार्यशाला के दौरान मुख्य व्याख्याता के रूप में शामिल हुए। जिन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत

नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का भी प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने युवाओं में बढ़ते तनाव को गंभीर समस्या बताया और इस दिशा में अनुसंधान और गहन अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि 21वीं सदी में हमारी जीवनशैली भले ही बदल गई हो, लेकिन प्रकृति का स्वरूप आज भी वैसा ही है। उन्होंने कहा कि एकल परिवारों की प्रवृत्ति, आपसी संवाद में कमी और मोबाइल-इंटरनेट की बढ़ती लत से मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। युवाओं को ओवर थिंकिंग और अनावश्यक प्रतिस्पर्धा से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि मनोवैज्ञानिक परामर्श लेने में हिचक न करें। भारतीय परंपरा में प्रार्थना, योग, ध्यान, प्राणायाम और सात्विक जीवनशैली मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के मूल स्तंभ रहे हैं।

सुधा सोसाइटी फाउंडेशन का हर घर तिरंगा कार्यक्रम

रायपुर। अमर सिवनी में स्थित ओपन स्कूल सुधा सोसाइटी फाउंडेशन ने सोमवार को 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम का आयोजन किया। खास मौके पर संस्था के छात्र व उनके परिजन भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता निर्मला चंद्रवंशी और लता गुप्ता उपस्थित रहीं। संस्था के चेयरमैन गोपाल कृष्ण भटनागर ने कहा कि हर घर तिरंगा कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य, शहरवासियों को घरों में तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता के जश्न को मनाने का अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने देशभक्ति और सांस्कृतिक गीतों पर प्रस्तुति दी, वहीं राष्ट्रीय ध्वज भी वितरित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान स्कूल के नजदीक प्रत्येक घरों में तिरंगा वितरण किया गया, वहीं उपस्थित शहरवासियों को स्वतंत्रता के महत्व और तिरंगा के संबंधित जागरूक किया गया है।

पुलिस परेड ग्राउंड पर स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी, स्कूली छात्र-छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रम के अभ्यास में जुटे

स्वतंत्रता दिवस समारोह में सुनाई देगी ऑपरेशन सिंदूर की गूंज, 700 से अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति भी

इस बार पुलिस परेड ग्राउंड पर स्वतंत्रता दिवस पर्व पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की थीम ऑपरेशन सिंदूर रखी गई है। सोमवार से पुलिस परेड ग्राउंड पर प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृति कार्यक्रमों का अभ्यास प्रतिभागी स्कूली छात्र-छात्राओं ने शुरू कर दिया है। इसमें शहर के तीन निजी स्कूलों के 700 से अधिक छात्र-छात्राओं द्वारा समूहिक रूप से अलग-अलग थीम बेस्ड नृत्य, गीत-संगीत व झांकियों के माध्यम से देशभक्ति, पारंपरिक लोककला समेत विविध रंगों से समारोह में देशभक्ति व छत्तीसगढ़ी पारंपरिक संस्कृति की जीवंत झलकियां प्रस्तुत की जाएंगी।

रायपुर। पुलिस परेड ग्राउंड पर स्वतंत्रता दिवस समारोह की प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी , प्राचार्य गोगांव गवर्नमेंट स्कूल रमाकांत झा ने बताया कि इस बार स्वतंत्रता दिवस समारोह पर स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की थीम ऑपरेशन सिंदूर रखी गई है। स्वतंत्रता दिवस समारोह में शहर के तीन निजी स्कूल के करीब 700 से अधिक प्रतिभागी स्कूली छात्र-छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इन स्कूलों में लक्ष्मीनारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल की 200 छात्राएं, सालेम इंग्लिश पब्लिक स्कूल के 250 छात्र-छात्राएं और मदर्स प्राइड स्कूल की 250 छात्राएं अभ्यास सत्र में जुट गए हैं। स्वतंत्रता दिवस पर मदर्स प्राइड स्कूल के प्रतिभागी छात्राएं ऑपरेशन सिंदूर को जांबाजी से अंजाम देकर दुनिया में देश का गौरव बढ़ाने वाले देश के वीर जवानों के शौर्य, बलिदान और राष्ट्रप्रेम को अपने नृत्य व गीत के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे।

आंगादेव की झांकी के साथ आदिवासी शहीदों का होगा गौरवगान

स्वतंत्रता दिवस समारोह में लक्ष्मीनारायण कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला की करीब 250 छात्राओं का दल सांस्कृतिक प्रस्तुति में भाग लेगा। सांस्कृतिक प्रस्तुति में देश की आजादी में आदिवासी वीरों व महापुरुषों की गौरवशाली गाथा एवं आदिवासी अंचल की कला संस्कृति की झलक को प्रस्तुत करेंगी। समारोह में प्रतिभागी छात्राओं द्वारा बस्तर के आंगादेव की झांकी के साथ माड़िया व सरहुल नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी जाएगी। छात्राएं अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुति से स्वतंत्रता दिवस समारोह में आदिवासी संस्कृति में ओतप्रोत देशभक्ति की भावना जागृत करेंगी। साथ ही छात्राएं छत्तीसगढ़ी पारंपरिक पर्रा नृत्य व राऊत नाचा की भी सामूहिक प्रस्तुति से छत्तीसगढ़ी कला-संस्कृति की छटा बिखेरेंगी। उनके थीम सांग के बोल हैं, भारत मां के दुलरवा बेटा, दिए बलिदान आज..हसत हसत फांसी म झूल गे, दिए आजादी राज..रखा गया है।

छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में पारंपरिक लोकगीतों की रंगारंग प्रस्तुति

सालेम इंग्लिश स्कूल के 250 छात्र-छात्राओं का दल स्वतंत्रता दिवस समारोह पर छत्तीसगढ़ी मिक्स्ड सांग थीम पर रंगारंग प्रस्तुति देगा। सभी छात्राएं छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में सुआ, करमा, पंथी नृत्य की प्रस्तुति से छत्तीसगढ़ की लोकगीत, संगीत की संस्कृति की अनूठी झलक से समारोह में समां बांधेंगी। सालेम इंग्लिश स्कूल की ओर से समारोह में सांस्कृतिक प्रभारी शिक्षक के तौर पर प्रीति यादव, रुपिका सहित कुल 7 शिक्षकों के ग्रुप को प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को समारोह की तैयारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक कर रहे अभ्यास

स्कूली छात्र-छात्राएं एवं प्रभारी शिक्षक पुलिस परेड ग्राउंड पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक अभ्यास कर रहे हैं। स्कूली छात्र-छात्राओं को उनके स्कूल के सांस्कृतिक प्रभारी शिक्षक नृत्य, वेशभूषा, लय, थीम की तैयारी करा रहे हैं। छात्र-छात्राएं स्वतंत्रता दिवस उत्सव में देशभक्ति व पारंपरिक लोक संस्कृति का रंग भरने जमकर अभ्यास करते दिखे।

डेस्क-बैंच देकर की शिक्षा सेवा अब शुरू होगी स्मार्ट क्लास

रायपुर। शहर में चरामेति फाउंडेशन द्वारा शिक्षा सेवा के तहत नई पहल शुरू की गई है। शासकीय प्राथमिक शाला खो-खो पारा को डेस्क एवं बैंच के दस सेट उपलब्ध कराते हुए पहली कक्षा में स्मार्ट क्लास शुरू की है। फाउंडेशन के राजेंद्र ओझा ने बताया कि निजी शालाओं की तरह शासकीय स्कूलों में भी बच्चों को शिक्षा का अच्छा वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए जनसहयोग से डेस्क और बैंच उपलब्ध कराए गए। दानदाताओं ने कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के खिले चेहरे देख इसे उपलब्धि एवं अमूल्य बताया। इसके पहले जून माह में समस्त छात्रों को वर्षभर उपयोग के लिए शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराई गई थी। इस तरह की पहल शिक्षा की बेहतरी के साथ अब शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए संस्था ने काम शुरू किया है।

नई और बेहतर सुविधा देने के लिए किया प्रयास

इस प्रोग्राम का संचालन एमडी बड़गैय्या, अरविंद कुमार, विपुल शाह, जीपी अखिलेश, नीलेश अग्रवाल, डॉ. मृणालिका ओझा के मार्गदर्शन में किया गया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब परिवार के बच्चों को प्राइवेट स्कूलों जैसी सुविधा देने के लिए प्रयास किया जा रहा है। शालेय स्टाफ मनबोधी कुर्मी, मनहरण लाल कैवर्त, लोकेश साहू की उपस्थिति एवं सहयोग से यह आयोजन किया गया। इसमें मंच संचालन रविंद्र कुमार मरकाम एवं आभार नीलकंठ वर्मा द्वारा व्यक्त किया गया। इसके चलते स्कूली बच्चों में नई बैठक व्यवस्था, सुसज्जित क्लास रूम को लेकर खुशी की लहर रही।

दीक्षारंभ में नए विद्यार्थियों को मिली राष्ट्रीय शिक्षा नीति की जानकारी

रायपुर। स्वामी आत्मानंद शासकीय आदर्श महाविद्यालय में नए सेशन के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सत्र 2025-26 में नवप्रवेशी छात्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के बारे में जानकारी देना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक राजेश मूणत, कार्यक्रम की अध्यक्ष कमलेश वर्मा और पूर्व पार्षद वीर सावरकर शामिल हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजलक्ष्मी सेलट ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के बारे में बताते हुए कहा कि नीति लागू होने से छात्र-छात्राओं के अध्ययन-अध्यापन में बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं। जिनमें डिजिटल शिक्षा, बोर्ड परीक्षाओं में सुधार, दो बार परीक्षा देने का विकल्प, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा, समान अवसर प्रदान किया जा रहा है।

महाविद्यालय में प्रथम आने पर 25 हजार ईनाम

दीक्षारंभ के अवसर पर विधायक राजेश मूणत द्वारा प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को नीति-2020 के सकारात्मक पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह शिक्षा नीति विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और सबल बनाएगी, जिससे वे खुद रोजगार उत्पन्न करने के लिए भविष्य में सक्षम होंगे। उन्होंने महाविद्यालय में प्रथम आने वाले छात्र-छात्राओं को 25 हजार रुपए नकद पुरस्कार की घोषणा और महाविद्यालय में वॉलीबाल तथा बॉस्केटबाल कोट बनवाने की घोषणा की। गणित के सहायक प्राध्यापक डॉ. जयेश करंजगांवकर ने इलेक्टिव विषयों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं एवं विशेष अतिथि शामिल हुए।

युवा खुद के आइडिया से हासिल कर रहे अपना मुकाम

कार्नर न्यूज

इन दिनों जहां बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी उच्च शिक्षा और कॅरियर के लिए अन्य राज्यों या विदेशों का रुख कर रहे हैं, वहीं शहर के कुछ ऐसे भी होनहार युवा हैं, जिन्होंने इसके विपरीत राह चुनी है। विश्व युवा दिवस के खास मौके पर हरिभूमि ने ऐसे युवाओं से बातचीत की। उन्होंने बताया कि जेईई, बी-टेक, एमबीबीएस जैसी कठिन परीक्षाएं पास करने के बाद उनके सामने देश-विदेश के नामी संस्थानों और कंपनियों के ऑफर थे, लेकिन उन्होंने अपने शहर, समाज और परिवार को प्राथमिकता दी।

शहर के युवाओं ने ठुकराया विदेश का ऑफर, चुना समाज और परिवार का साथ

विश्व युवा दिवस आज

रायपुर। बेहतर पैकेज और ग्लोबल एक्सपोजर के बावजूद उनका लक्ष्य सामाजिक सेवा और पारिवारिक व्यवसाय को नई दिशा देना रहा। वहीं शहर के एक युवा डॉक्टर ने जरूरतमंद कैंसर मरीजों के लिए बड़ी कंपनी छोड़कर रायपुर में ही कार्य शुरू किया। उनका कहना है कि कैंसर का इलाज काफी महंगा होता है। प्रदेश के लोगों को यह उपचार कम कीमतों में मिल सके, इसलिए विदेश में मिल रहे बेहतर ऑफर को भी छोड़ दिया।

लाखों की नौकरी छोड़ व्यवसाय को टेक्नोलॉजी से जोड़ा

जेईई और बी-टेक जैसी परक्षीओं में टॉप करने के बाद देश और विदेशों से भी लाखों के ऑफर मिलने लगते हैं, लेकिन शहर के हर्षित जैन ने ऐसे ऑफर स्वीकार करने के बजाय अपने पैशन के साथ परिवार के व्यवसाय को संभालने का फैसला लिया। हर्षित ने बताया कि जेईई में बेहतर रैंक के चलते महाराष्ट्र के सोलापुर स्थित प्रतिष्ठित संस्थान में कंप्यूटर साइंस विभाग में प्रवेश मिला। पढ़ाई के दौरान वे बी-टेक की टॉप-10 लिस्ट में लगातार शामिल होते रहे। 25 वर्षीय हर्षित ने साल 2022 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी में मास्टर्स इन इंजीनियरिंग मैनेजमेंट के लिए इंटरव्यू पास किया और ऑफर भी हासिल किया, जो कि किसी भी युवा के लिए एक सपना होता है, लेकिन उन्होंने इस सुनहरे मौके को छोड़कर अपने शहर तथा परिवार के लिए कुछ करने की ठानी। हर्षित का कहना है कि मेरा उद्देश्य शुरू से ही पढ़ाई के जरिए अपने परिवार के कपड़े के व्यवसाय को तकनीक से जोड़ते हुए आगे बढ़ाना था। आज हर फील्ड टेक्नोलॉजी से जुड़ी हुई है, ऐसे में व्यवसाय को नए आयाम देना ही मेरा लक्ष्य रहा है।

ऑस्ट्रेलिया और यूएस से मिला ऑफर

कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिकेत ठोके ने अपने दादा के कहने पर कैंसर पीड़ितों की सेवा के लिए डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की और पिछले एक दशक से इस क्षेत्र में समर्पित होकर सेवाएं दे रहे हैं। 10 साल पहले रायपुर में कैंसर मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही थी, लेकिन बेहतर चिकित्सकों और अस्पतालों के अभाव में मरीजों को नागपुर, पुणे जैसे बड़े शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ता था। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह सफर कठिन था। डॉ. अनिकेत ने बताया कि इस समस्या को देखते हुए उन्होंने कैंसर रोग से संबंधित पढ़ाई पूरी करने का फैसला लिया। उन्होंने 2008 में पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की और बाद में देश के प्रसिद्ध क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज चेन्नई से मास्टर डिग्री हासिल की। 2013 में केवल 32 वर्ष की उम्र में शहर लौटकर संजीवनी अस्पताल में मरीजों की सेवा शुरू की। वे शहर के सबसे अनुभवी कैंसर विशेषज्ञों में शामिल हैं और अब तक 20 हजार से अधिक मरीजों का इलाज कर चुके हैं। डॉ. अनिकेत ने बताया कि क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई के बाद उन्हें यूके, ऑस्ट्रेलिया और यूएस के प्रतिष्ठित संस्थानों से भी आगे की पढ़ाई के ऑफर मिला थे, लेकिन उन्होंने अपने शहर और मरीजों की सेवा को प्राथमिकता दी।

धर्म लाइव

श्रावण मास में महाशिव महारुद्राभिषेक संपन्न, फलों से किया विशेष श्रृंगार

रायपुर। गुजराती श्रावण मास के तीसरे रविवार को श्री लोहाणा युवा मंडल, रायपुर द्वारा श्री महाशिव महारुद्राभिषेक का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ प्रसिद्ध बुधेश्वर महादेव मंदिर किया गया। इस अवसर पर लोहाणा समाज के सभी परिवारों की उपस्थिति में सात्विक भोजन और विशेष पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुई। पूजन के अंतर्गत शिवजी का विधिवत सहस्त्र जलाभिषेक किया गया तथा विभिन्न फलों से उनका श्रृंगार कर भक्तिभाव से अर्पण किया गया। पूरे कार्यक्रम में समाज के सभी सदस्यों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ सहभागिता की। यह वर्ष विशेष महत्व का रहा, क्योंकि यह श्री लोहाणा युवा मंडल का 20वां आयोजन वर्ष था। आयोजन को सफल बनाने में मंडल के अध्यक्ष विशाल भाई ठक्कर, सचिव कल्पेश भाई पारेख और उनकी टीम के सदस्य दिपेश भाई पारपाणी, कुशल भाई पारेख, दिपेश भाई गंडेचा, परेश भाई कारिया, चिराग भाई लाखानी, पार्थ भाई मानसाता, सुमीत भाई नाथवाणी, हर्ष भाई पुजारा, हार्दिक भाई पोपाट, विशाल भाई पारपाणी, केवल भाई चितालिया और श्याम भाई मोदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आराधना

कुतर्की स्वभाव बस चूहे की भांति नेकी को भी काटने की चेष्टा करेंगे

रायपुर। प्रबल बुद्धि का साम्राज्य कुतर्क को दबाता है। यही कारण है कि गणेशजी चूहे की सवारी करते हैं। उनका मूषक वाहन है, इसका स्वभाव प्रत्येक वस्तु को काट देना है। वह यह नहीं देखता है कि वस्तु नई या पुरानी है। बिना कारण ही उसको काटना मूषक का स्वभाव है। इसी प्रकार कुतर्की यह नहीं सोचते कि प्रसंग कितना सुंदर और गंभीर होने के साथ ही लोगों के लिए हितकर है। वे स्वभाव बस चूहे की भांति उसे काट डालने की चेष्टा करेंगे। बुद्धि का साम्राज्य आते ही कुतर्क अपने आप दब जाता है, इसलिए गणपति बुद्धि के देवता हैं। उन्होंने कुतर्क रूपी मूषक को अपना वाहन बनाया और कुतर्क को नीचे दबाकर रखा है।

हर दिन पूजा-अनुष्ठान के बाद प्रवचन श्रृंखला

गणपति की आराधना करने वाले भक्तों के कुल की वृद्धि दूर्वा के द्वारा ही होती है, अतः दूर्वा चढ़ाने से कुल की वृद्धि और कुल के दोष निकलते हैं, जिनको संतान नहीं होती या विलंबित होती है, या किसी दोष के वजह से संतान में दोष आता है तो ऐसी बाधाओं की मुक्ति के लिए गणेश भगवान को दूर्वा भी अवश्य चढ़ाना चाहिए। कथा के पूर्व शंकराचार्य आश्रम के वैदिक विद्वानों ने पोथी का पूजन करने के बाद आरती की। जगत गुरुकुलम के छात्रों ने इस दौरान वैदिक पाठ संपन्न किया। हर दिन होने वाले पूजा-अनुष्ठान के बाद भक्त परिवार आश्रम में जारी शिवपुराण कथा का हिस्सा बनने के लिए पहुंचते हैं।

समाज लाइव

गुजराती ब्रह्म समाज में सात बटुकों का हुआ यज्ञोपवीत संस्कार

रायपुर। गुजराती ब्रह्म समाज ने सात बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न कराया। इस अवसर पर बटुकों को ब्राह्मण कुल के मुख्य अस्त्र 'जनेऊ' से सुशोभित किया गया। पिछले लगभग 50 वर्षों से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष भी आयोजन समाज की ओर से किया गया। समाज के अध्यक्ष कीर्ति व्यास ने बताया कि श्रावणी पर्व ब्राह्मणों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। रक्षाबंधन के दिन सुबह 8 बजे समाज के सभी सदस्यों को विधि-विधान से जनेऊ परिवर्तन कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाता है। इसके पश्चात नए बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार कराया जाता है। पिछले कई वर्षों से यह संस्कार समाज के वरिष्ठ सदस्य महेंद्र भाई व्यास और उनके सुपुत्र हेमल महाराज द्वारा विधिपूर्वक सम्पन्न कराया जा रहा है। उपनयन संस्कार में बटुकों के परिजन और विशेष रूप से मामा पक्ष के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहते हैं। कार्यक्रम के बाद सभी समाजजनों के लिए प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज, मनसुख भाई पंड्या एवं रामानुज भाई पुरोहित परिवार की ओर से बटुकों को उपहार भी भेंट किए गए।

● माना बस्ती में मूर्तिकार पहली बार बना रहे एआई और थ्रीडी बेस्ड गणेश, बड़ी संख्या में मिले आर्डर

मूर्तिकार की कारीगरी से श्रद्धालु बदल सकेंगे पोशाक, अब चांदी-सोना वर्क रीयल ज्वेलरी से गणपति सजाने का क्रेज

'गणेश स्थापना और पूजा अब शहर में भव्य स्वरूप लेने लगी है। माना के मूर्तिकार अब ऐसी गणेश प्रतिमाओं का निर्माण करने लगे हैं, जिनके पहनावे को समिति के लोग बदल भी सकते हैं। कुछेक समितियों ने इस तरह की मूर्तियों को बनाने का आर्डर दिया है, ताकि वे आराध्य देव के प्रति अपनी प्रगाढ़ आस्था को पोशाक के रूप में अर्पित कर सकें। कई ऐसे भी आर्डर मिलते हैं, जिसमें कुंडल, कड़ा, लड्डू जैसी रीयल श्रृंगार सामग्री का इस्तेमाल करने की जानकारी दी जाती है। इसके लिए लोग मूर्ति को अंतिम रूप देते समय ही सजग करते हैं।'

रायपुर। माना बस्ती के अलग-अलग मूर्तिकार, मिट्टी कला के हुनरमंद रात-दिन आराध्य देव के स्वरूप को अंतिम रूप देने में लगे हैं। इस बार स्थानीय व बड़े शहरों से लाए गए कारीगरों ने कला के साथ तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया है। मूर्तिकार अब आराध्य देव को दिव्य स्वरूप देने के लिए थ्रीडी और एआई तकनीक का उपयोग करने लगे हैं। इसको लेकर मूर्तिकार जयकिशन नायक ने बताया कि अब हर कला में तकनीक से बेस्ट बनाने का प्रयास है। हर मूर्ति को इससे भव्य स्वरूप मिलता है। इस बार भी लोग पसंद करने के साथ ही आर्डर भी करते हैं। इस बार कलाकारों ने 6 फीट से 15 फीट ऊंची प्रतिमाओं का निर्माण किया है। इस बार 35 हजार से करीब दो लाख की रेंज तक प्रतिमा बना रहे हैं। कुछेक समितियों के लोग अब पंडाल की भव्यता को अलग लुक देने के लिए ऐसी मूर्ति बनाने आर्डर करते हैं, जिसमें गणेशजी की मूर्ति का परिधान बदला जा सके।

लालबाग का राजा, राधाकृष्ण, शंकर-पार्वती स्वरूप

इस बार गणपति जी को लालबाग का राजा, राधाकृष्ण, शंकर-पार्वती, कृष्ण भगवान, दगड़ू महाराज का आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है। साथ ही एआई बेस्ड गणेश को सबसे ज्यादा लोग पसंद कर रहे हैं। अब गणेशजी की मूर्ति को भव्यता देने के लिए लोग रीयल ज्वेलरी भी पहनाने लगे हैं। ऐसी समितियां कुछेक ही हैं, जो इस तरह से भी गणेशोत्सव को मुंबईया तर्ज पर संवारने की तैयारी में हैं। मूर्तिकारों का मानना है कि इस तरह का बदलाव बड़े आयोजन स्थलों से स्थल सज्जा, झांकियों का चलन भी जगह के अभाव में कम होने से समिति के लोग इस तरह का प्रयास भी करने लगे हैं कि पंडाल और मूर्ति को थीम बेस्ड बनाते हुए भक्तों को बेहतर उत्सव का भक्तिमय माहौल दिया जा सके।

मूर्ति और पंडाल को थीम बेस्ड बनाने तैयारी तेज

युवा मूर्तिकार मिथुन विश्वास ने बताया कि हर साल की तरह थीम बेस्ड गणेशजी को अलग-अलग स्वरूप देने के लिए आर्डर करते हैं। अब लोग मूर्ति को भव्य स्वरूप देने के लिए सजाने की सामग्री को लेकर ज्यादा सजग रहते हैं। जैसे-जैसे स्थापना का समय करीब आता है, एक दो लोग अपनी मूर्ति देखने पहुंचते हैं और उसमें एक अलग काम बताते हैं। समिति का प्रयास अब आराध्य देव की मूर्ति को अलग-अलग थीम देने को लेकर बढ़ा है। इस बार कारीगरों ने दो फीट से करीब 14 फीट तक ऊंची मूर्तियों का निर्माण किया है। इसे लोग दस हजार से सवा दो लाख की दर पर बनाने के लिए आर्डर देते हैं। रीयल ज्वेलरी से गणेशजी का श्रृंगार करने के लिए भक्त अंतिम समय में बताते हैं।

एआई बेस्ड बालस्वरूप को हर वर्ग ने बना दिया खास

मूर्तिकारों ने बताया कि अब कारीगरों को एआई बेस्ड बालस्वरूप गणेश बनाने के लिए आर्डर कर बनवाया जा रहा है। थ्रीडी थीम पर भी भगवान के बालस्वरूप और राधाकृष्ण की आकर्षक मूर्ति आकर्षण का केंद्र बनने वाली है। देखने में खास और आकर्षक स्वरूप पंडाल को अलग एहसास देगा। इस तरह की मूर्तियां छोटे गणेश पंडालों में रखने के लिए समिति के लोग रखना पसंद कर रहे हैं। भोले और आकर्षक बालस्वरूप गणेशजी की मूर्ति अलग ही कथा प्रसंगों से जुड़ी है। स्वरूप समिति की पसंद है।

रंगों के समायोजन से अब देंगे अंतिम स्वरूप

अब रंगों के समायोजन से मूर्तियों को अंतिम स्वरूप कारीगर देंगे। इस बार मूर्तियों को समय पर पूरा करने का हर कंपनी के कारीगरों पर दबाब है। छोटी-बड़ी मूर्तियों को समितियों और भक्तों की डिमांड पर पूर्ण करने में विलंब होने का दबाव बहुत चुनौती वाला होता है। मूर्तिकारों ने बताया कि इसके लिए कारीगर दिन-रात काम करते हैं। काम पूरा होने पर मूर्तिकला से जुड़े युवाओं की चुनौती पूरी होगी। उन्होंने बताया कि इस बार लोग बालस्वरूप में रखने को लेकर ज्यादा सजग हैं। इसमें कॉलोनियों और युवाओं की छोटी समितियां भी हैं। उनका तर्क था कि जगह सीमित है, इसलिए भगवान की मूर्ति का स्वरूप मनमोहक होना चाहिए।

इंद्रियों पर नियंत्रण खोकर सुविधाओं के पीछे भागोगे तो सताएंगे रोग

रायपुर। आत्मोत्थान चातुर्मास 2025 के अंतर्गत सोमवार को दादाबाड़ी में आयोजित प्रवचन में हंसकीर्ति श्रीजी ने कहा कि एक बार की बात है, अमेरिका में एक प्रसिद्ध डॉक्टर रहते थे। उनका जीवन लोगों की बीमारियां दूर करने में बीतता था। एक दिन उन्होंने सोचा, आखिर दुनिया में सबसे स्वस्थ लोग कौन होते होंगे? इस सवाल का जवाब खोजने के लिए उन्होंने वर्षों तक शोध किया। शोध के दौरान उन्हें एक चौंकाने वाली सच्चाई पता चली, भारत में रहने वाले साधु-संत सबसे स्वस्थ और दीर्घायु होते हैं। इसका कारण था उनका संयमित जीवन, साधना, और तप-उपवास की आदत। डॉक्टर इस खोज से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपने मरीजों को भी तप और उपवास करने की सलाह देना शुरू कर दी। कुछ मरीजों ने फायदा भी महसूस किया, लेकिन अमेरिका के कठोर नियमों के चलते यह मामला अदालत तक पहुंच गया। एक दिन डॉक्टर को इसी वजह से जेल भेज दिया गया। जेल में भी उन्होंने हार नहीं मानी। वे मुस्कुराकर कहते, अगर सच लोगों की सेहत के लिए है तो यह मेरा कर्तव्य है कि मैं इसे बताऊं, चाहे सजा ही क्यों न मिले। अब सोचिए, अमेरिका में जहां तप और उपवास की सलाह देने पर जेल हो सकती है, वहीं वह डॉक्टर अपनी बात पर अडिग रहे, लेकिन हमारे यहां, जहां यह परंपरा सदियों से है, हम सालभर इस पर बातें तो करते हैं, लेकिन इस पर अमल करने वाले बहुत कम मिलते हैं। हम अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण खोकर सुख-सुविधाओं के पीछे भागते रहते हैं, और स्वास्थ्य धीरे-धीरे हमारे हाथ से फिसलता जाता है।

हर क्षण रहना होगा जागरूक, जागृति ही साधना

रायपुर। जीवन में केवल गति कुछ नहीं है। गति के साथ जागृति भी चाहिए। जब गति होती है, फिर जागृति होती है और फिर प्राप्ति होती है। लक्ष्य के प्रति धैर्य और समर्पण चाहिए। केवल जीवन को संयमित करने से ही नहीं होगा। गलतफहमी में ना रहे कि मंजिल मिल ही जाएगी। जीवन को संयमित करने के साथ हर क्षण सावधान व जागरूक रहना होगा। जागृति ही साधना है। ये बातें सोमवार को टेगौर नगर पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में उपाध्याय भगवंत युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कही। उपाध्याय भगवंत में कहा कि किसी के पास कितना भी ज्ञान क्यों न हो, यदि वह ज्ञान को भूलेगा तो वापस गलती कर बैठेगा। हमको केवल जागृत रहने की साधना करनी है। ज्ञान से तो हम लबालब हैं। वास्तव में जब जीना हो तो केवल ज्ञान काम नहीं आता। ज्ञानी कहते हैं सम्यक ज्ञान की आवश्यकता है। सम्यक ज्ञान की परिभाषा ही है, सम्यक ज्ञान जो समय पर आए काम। यदि हम सोच रहे हैं कि जागृति आ ही जाएगी। इसकी अतिअपेक्षा अपने आप से न करें। जागृति के लिए सजग रहना होगा।

आदिनाथ भजन संध्या में तपस्वियों का चंदन लेपन, भक्ति-रस से सराबोर हुआ पूजन समारोह

रायपुर। भावोल्लास चातुर्मास समिति एवं विमलनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट के तत्वावधान मेंआदिनाथ भगवान के भजनों के साथ पूजन समारोह का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध गायक अंकित लोढ़ा के सुरीले स्वरों में प्रस्तुत भजनों ने सम्पूर्ण वातावरण को भक्ति-रस से सराबोर कर दिया। भजन संध्या के दौरान उपस्थित जनमानस भगवान के चरणों में भाव-विभोर होकर झूम उठा। समारोह का विशेष आकर्षण तपस्वियों का पूजन एवं चंदन-लेपन रहा। तपस्वियों ने पहले भगवान का विधि-विधान से पूजन किया, जिसके पश्चात सुमन देवी संजय अजय राजेश राजेश सिंघी परिवार द्वारा सभी तपस्वियों के मस्तक पर चंदन का लेपन कर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुजन इस अद्भुत दृश्य को देख भावविभोर हो उठे। पूजन के दौरान सुमन देवी, राजेश सिंघी परिवार ने अपने करकमलों से सभी तपस्वियों के मस्तक पर शीतल चंदन का लेप लगाकर न केवल तपस्या की गरिमा को नमन किया, बल्कि सभी के हृदय में भक्ति और श्रद्धा का संचार किया। इस दौरान तपस्वियों के मस्तक पर हल्दी एवं चंदन के सुंदर मिश्रण से बना लेप लगते ही वातावरण में एक दिव्य आभा का संचार हो गया।

परिसर में गूंज उठे जय जिनेंद्र के स्वर

अंकित लोढ़ा के भजन "शत्रुंजय गिरनार की महिमा" और "जय आदिनाथ प्रभु" के साथ जैसे ही पूजन की प्रक्रिया संपन्न हुई, सम्पूर्ण परिसर में "जय जिनेन्द्र" के स्वर गूंज उठे। यह दृश्य केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भक्ति, सेवा और संस्कारों का जीवंत उदाहरण था। समारोह में समाज के गणमान्य नागरिक, महिलाएं, युवा एवं बालक-बालिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में भक्ति और एकता की भावना को और अधिक प्रबल करते हैं।कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ और आशीर्वचन के साथ हुआ। तपस्वियों के पूजन एवं भजनों की मधुरता से भरा यह दिन श्रद्धालुओं की स्मृतियों में लंबे समय तक अंकित रहेगा।

शंकरनगर बीटीआई ग्राउंड में ग्रामोद्योग प्रदर्शनी

एग्रीकल्चर की पढ़ाई के साथ माटी कला के पुश्तैनी व्यवसाय को भी आगे बढ़ा रहा सोमेश

कार्नर न्यूज

रायपुर। ग्रामोद्योग के अंतर्गत माटी कला, हथकरघा, काष्ठ, बांस शिल्प जैसे विविध पारंपरिक व्यवसाय युवाओं को आज भी लुभा रहे हैं। यह उनके परिवार के लिए अब भी रोजी-रोटी का प्रमुख सहारा बने हुए हैं। इसका उदाहरण देखने को मिला शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड पर छत्तीसगढ़ शासन ग्रामोद्योग विभाग के ग्रामोद्योग प्रदर्शनी-2025 में, जहां जिले के धरसींवा निवासी युवा सोमेश कुंभकार बीएससी एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहे हैं। वे ग्रामोद्योग प्रदर्शनी-2025 में अपने पिता के माटी कला के पुश्तैनी व्यवसाय से जुड़कर नई पीढ़ी के उन युवाओं लिए प्रेरणाश्रोत हैं, जो शिक्षा व डिग्री लेने के बाद अपने पुश्तैनी व पारंपरिक व्यवसाय से दूर हो जाते हैं और रोजगार के लिए दर-दर भटकते हैं। सोमेश ग्रामोद्योग प्रदर्शनी-2025 में स्वयं व अपने परिवार के सदस्यों द्वारा तैयार मिट्टी के बर्तनों की

प्रदर्शनी का स्टॉल लगाने पहुंचे हैं। सोमेश ने बताया कि वे फोर्थ ईयर बीएसएसी एग्रीकल्चर की पढ़ाई कर रहे हैं। वे धरसींवा के बरतनारा गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता गजेंद्र कुंभकार और पूरा परिवार पुश्तैनी मिट्टी कला से जुड़े नए व आकर्षक डिजाइन में पारंपरिक मिट्टी के बर्तन, होम डेकोरेटिव आयटम तैयार करते हैं। इन मिट्टी की बर्तनों में मिट्टी के कूकर, कड़ाही, तवा, दही पॉट, कटोरी, कुल्हड़, होम डेकोरेटिव दीया जाली, लालटेन, फूलदान, गमले इत्यादि सामग्री तैयार कर रहे हैं। इन मिट्टी के नए डिजाइनदार बर्तनों की प्रदेश के गांव से लेकर शहरों में बड़ी डिमांड है।

बांस शिल्प से बना 29 हजार का पाटीशन सेट

नारायणपुर के बांस शिल्पकारों की नायाब कारीगरी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में देखने को मिली, जहां 29 हजार का बांस शिल्प का हॉल पाटीशन सेट, जिस पर बांस शिल्प के कारीगरों ने जनजातीय भित्ति चित्र उकेरे हैं। नारायणपुर से पहुंचे बांस शिल्पकार संतोष पाल ने बताया कि स्टॉल में हॉल पाटीशन सेट के अलावा बैबू बांसुरी, बांस के फ्लॉवर्स, पॉट इत्यादी सामग्री स्टॉल में प्रदर्शित की गई है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

कोसा, सिल्क की आकर्षक साड़ियां 8 हजार रुपए तक

जांजगीर, चांपा, चंद्रपुर, रायगढ़ के हथकरघा कारीगरों द्वारा कोसा, सिल्क से नायाब कारीगरी, फुलकारी व पारंपरिक डिजाइन से तैयार कीडोला बेरी साड़ी, जगन्नाथपुरी के टेम्पल, रथ के पहिए को कोसा की साड़ी पर उकेरा गया है। प्रदर्शनी में साड़ियों के स्टॉल संचालक डोमन सिंह ने बताया कि राजधानी की महिलाओं को पारंपरिक कोसा, सिल्क की साड़ियां काफी भा रही हैं।

फिल्म इवेंट

बॉलीवुड

'वॉर 2' में एनटीआर, ऋतिक संग बॉबी देओल भी आएंगे नजर

मुंबई। दो दिन बाद 14 अगस्त को रिलीज हो रही एक्शन ड्रामा फिल्म 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी इस स्पाई एक्शन फिल्म में कियारा आडवाणी भी अहम रोल में हैं। वहीं अब यह बात सामने आई है कि इस फिल्म में एक और एक्टर नजर आएंगे, जो फिल्म में कैमियो करेंगे। खबर है कि 'एनिमल' के विलेन बॉबी देओल फिल्म में कैमियो रोल कर सकते हैं। 123 तेलुगु डॉट कॉम की एक खबर के मुताबिक बॉबी फिल्म के आखिर में दिखाई देंगे, जिससे लगता है कि वे आगे भविष्य में वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों में बड़े खलनायक बन सकते हैं। वाईआरएफ की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वॉर 2' एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित और यश राज फिल्म्स के तहत आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित किया गया है। यह वाई.आर.एफ. स्पाई यूनिवर्स की छठी फिल्म है। फिल्म में ऋतिक रोशन ने मेजर कबीर धलिवाल के किरदार में अपनी भूमिका को दोहरा रहे है, साथ में कियारा आडवाणी और जूनियर एनटीआर मुख्य भुमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म वॉर (2019) की अगली कड़ी है। फिल्म का संगीत प्रीतम ने तैयार किया है।

टॉलीवुड

लगता है सबको छोड़कर जिंदगी की नई शुरुआत करूं : श्रुति

बेंगलुरु। साउथ के चर्चित एक्टर कमल हासन की बेटी और एक्ट्रेस श्रुति हासन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की। इसमें लिखा है, 'कई बार मन होता है कि सबको छोड़कर एक नई जिंदगी शुरू करूं लेकिन फिर मन में आवाज उठती है, खुद पर भरोसा रखो और डटे रहो।' इस पोस्ट को एक वीडियो के साथ श्रुति हासन ने शेयर किया, जिसमें वह फाइट सीन्स कर रही हैं। श्रुति के फैन पेज ने पहले यह वीडियो साझा किया था,जिसे श्रुति ने भी पोस्ट किया है। इस पोस्ट पर यूजर्स ने, श्रुति के फैंस ने भी रिएक्शन दिया है। एक्ट्रेस को जिंदगी से जुड़ी जरूरी सलाह दी है। एक यूजर लिखता है, 'श्रुति, आपके मन में उठ रहे दर्द का अहसास हमें भी है लेकिन उस आवाज पर भरोसा करें, जो आपको जिंदगी में डटे रहने के लिए कहती है। यही प्यार है, इससे ही आप हीलिंग की तरफ आगे बढ़ेंगी। आप जितना दिख रही हैं, उससे कहीं ज्यादा मजबूत हैं। आपकी खूबसूरत, जिंदगी की कहानी के कई चैप्टर अभी लिखे जाने बाकी हैं। इसलिए इंतजार ना करें। आज ही आगे बढ़ने का एक कदम उठाएं।' एक अन्य यूजर ने श्रुति को पहाड़ों पर जाकर वक्त गुजारने की सलाह दी। वह कहता है, 'नई शुरुआत करें। पहाड़ों पर जाएं। धीरे-धीरे जिएं, भीड़-भाड़ से दूर रहें। अपनी सोल (आत्मा) के लिए आप इससे ज्यादा खूबसूरत काम कुछ नहीं कर सकते हैं।' कुछ यूजर्स ने श्रुति के जैसा ही महसूस करने की बात भी कही है। रजनीकांत की फिल्म 'कुली' 14 अगस्त को रिलीज होगी। इसमें रजनीकांत लीड रोल में हैं। वहीं श्रुति हासन का रोल भी काफी अहम है।

भोजपुरी

खेसारी की 'श्री 420' ने इस बार दर्शकों को दिया कॉमेडी का डोज

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव अपने एक्शन के लिए जाने जाते हैं। पर्दे पर वे दुश्मनों के छक्के छुड़ाते दिखते हैं। मगर, कॉमेडी के मामले में भी खेसारी कम नहीं। फिल्म 'श्री 420' का ट्रेलर देखकर तो कुछ यही पता चल रहा है। खेसारी की इस आगामी भोजपुरी फिल्म का ट्रेलर रविवार को रिलीज हुआ है। फिल्म के ट्रेलर को सुर म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर जारी किया गया है। इसमें खेसारी लाल के अलावा मधु शर्मा और श्वेता महारा भी अहम भूमिका में हैं। खेसारी लाल ठग के रूप में नजर आएंगे। फिल्म में संजय पांडे, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैस, श्रद्धा नवल, निशा गुप्ता और उमाकांत राय जैसे सितारे भी अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म को मधु शर्मा और समीर आफताब प्रोड्यूस कर रहे हैं। खेसारी लाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से भी एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें दर्शकों से ट्रेलर देख उस पर प्रतिक्रिया देने की गुजारिश की है। साथ ही यह वादा किया है कि फिल्म 'श्री 420' में उन्हें जबर्दस्त कॉमेडी दिखाई देगी। इसके अलावा खेसारी अपने हालिया रिलीज गाने 'बहिनी' के प्यार को लेकर भी चर्चा में हैं। यह रक्षाबंधन स्पेशल गाना खेसारी की आगामी फिल्म 'अग्नि परीक्षा' का है।

सारा ने ट्रेडिशनल लुक में की रैंप वॉक

फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया की तरफ से नई दिल्ली में इंडियन कोचर वीक 2025 का आयोजन हुआ। जिसमें सारा अली खान ने डिजाइनर आयशा राव की बनाई ड्रेस में शानदार रैंप वॉक की। जहां उनकी ड्रेस में रॉयल टच नजर आया, वहीं वॉक भी बहुत ग्रेसफुल रही। सारा अली खान ने जिस लहंगे और टॉप को कैरी किया, उसका डिजाइन नेचर से इंस्पायर है।

रोजमर्रा की जिंदगी से लेकर पार्टी तक, कई लुक्स के लिए बेहतरीन हैं ये स्टाइलिश चोटी

चोटी एक ऐसा हेयरस्टाइल है, जो न केवल रोजमर्रा की जिंदगी में बल्कि पार्टियों में भी खास दिखता है। यह न केवल सुंदरता बढ़ाता है बल्कि आपके बालों को व्यवस्थित भी रखता है। आज हम आपको पांच अलग-अलग प्रकार की चोटियों के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप आसानी से बना सकते हैं और हर अवसर पर पहन सकते हैं। इन चोटियों को बनाने का तरीका जानकर आप भी इनका आनंद ले सकेंगे।

फ्रेंच चोटी : फ्रेंच चोटी एक सुंदर हेयरस्टाइल है, जो हर मौके पर अच्छा लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बालों को अच्छे से कंघी करें, फिर बालों को तीन हिस्सों में बांटकर ऊपर से नीचे की ओर चोटी बनाएं। इस चोटी को बनाते समय हर छोटे हिस्से को पहले से बने हिस्से से जोड़ते जाएं। यह तरीका थोड़ा समय ले सकता है, लेकिन इसका परिणाम बेहद सुंदर होता है।

फिशटेल चोटी : फिशटेल चोटी एक खास और आकर्षक हेयरस्टाइल है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बालों को दो हिस्सों में बांटें, फिर हर हिस्से को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर उन्हें आपस में उलझाते हुए चोटी बनाएं। इस प्रक्रिया को दोनों हिस्सों पर दोहराएं। फिशटेल चोटी बनाने में थोड़ी मेहनत लग सकती है, लेकिन इसका लुक बेहद खास और स्टाइलिश लगता है, जो किसी भी मौके पर आपके रूप को बढ़ा सकता है।

रोप स्टाइल चोटी

रस्सी की चोटी एक अनोखा और आकर्षक हेयरस्टाइल है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बालों को दो हिस्सों में बांटें, फिर हर हिस्से को दो हिस्सों में बांटकर उलझाते हुए चोटी बनाएं। इस प्रक्रिया को दोनों हिस्सों पर दोहराएं। रस्सी की चोटी बनाने में थोड़ी मेहनत लग सकती है, लेकिन इसका लुक बेहद खास और स्टाइलिश लगता है, जो किसी भी मौके पर आपके रूप को बढ़ा सकता है।

पुल थ्रू चोटी

पुल थ्रू चोटी एक बहुत ही खास और आकर्षक हेयरस्टाइल है, जिसे आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले बालों को मध्यम लंबाई से बांटकर ऊपर से नीचे की ओर चोटी बनानी होती है, फिर बीच-बीच में छोटे हिस्सों को छोड़ते हुए आगे बढ़ते जाना होता है। इस तरह के हेयरस्टाइल को बनाने में थोड़ी प्रैक्टिस की जरूरत पड़ती है, लेकिन इसका परिणाम बेहद शानदार होता है, जिससे आपका लुक और भी खास बनता है।

हर महिला को एक बार जरूर खरीदनी चाहिए सिल्क साड़ियां

फैशन

भारत में सिल्क साड़ियां बहुत लोकप्रिय हैं। ये न केवल पारंपरिक परिधान हैं, बल्कि इनमें इस्तेमाल होने वाले रेशम के धागे और बुनाई की तकनीकें भी बहुत खास होती हैं। हर राज्य की अपनी एक खास सिल्क साड़ी है, जो वहां की संस्कृति और परंपरा को दर्शाती है। आइए आज हम आपको ऐसी सिल्क साड़ियों के बारे में बताते हैं, जो हर महिला के पास होनी चाहिए और जो आपको एक बेहतरीन लुक देंगी।

कांजीवरम सिल्क साड़ी : कांजीवरम सिल्क साड़ी दक्षिण भारत की मशहूर साड़ियों में से एक है। यह तमिलनाडु के कांजीवरम शहर में बनाई जाती है। इन साड़ियों की खासियत होती है इनका मोटा और चमकदार कपड़ा, जो इन्हें बहुत ही आकर्षक बनाता है। कांजीवरम साड़ियों पर आमतौर पर धार्मिक चित्रण, फूलों और जानवरों की कढ़ाई होती है। इनकी बुनाई में सोने और चांदी के धागों का भी इस्तेमाल किया जाता है, जिससे इनकी सुंदरता और बढ़ जाती है।

बनारसी सिल्क साड़ी : बनारसी सिल्क साड़ी उत्तर प्रदेश के बनारस शहर में बनाई जाती है। इन साड़ियों की खासियत होती है इनका बारीक और मुलायम कपड़ा, जो इन्हें पहनने पर बहुत आरामदायक महसूस होता है। बनारसी साड़ियों पर ज्यादातर जरी की कारीगरी होती है, जिससे इन्हें एक खास अंदाज मिलता है। इन साड़ियों का डिजाइन और रंग बहुत ही आकर्षक होते हैं, जो किसी भी अवसर पर पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं।

बलुचरी सिल्क साड़ी : बलुचरी सिल्क साड़ी पश्चिम बंगाल के बलुचर शहर में बनाई जाती है। इन साड़ियों की खासियत होती है इन पर बने हुए चित्रकारी जैसे रामायण, महाभारत आदि की कहानियां होती हैं। बलुचरी साड़ियों पर हाथ से चित्रकारी की जाती है, जिससे इनकी सुंदरता और भी बढ़ जाती है। इन साड़ियों का रंग और डिजाइन बहुत ही अनोखा होता है, जो इन्हें विशेष अवसरों के लिए उपयुक्त बनाता है।

कश्मीरी सिल्क साड़ी : कश्मीरी सिल्क साड़ी जम्मू-कश्मीर राज्य में बनाई जाती हैं। इनकी खासियत होती है इन पर बनी हुई बूटिक कढ़ाई, जो इन्हें बहुत ही आकर्षक बनाती है। कश्मीरी सिल्क साड़ियों का डिजाइन और रंग बहुत ही अनोखा होते हैं, जो इन्हें विशेष अवसरों के लिए उपयुक्त बनाता है।

तसर सिल्क साड़ी : तसर सिल्क साड़ी झारखंड और ओडिशा राज्यों में बनाई जाती हैं। इनकी खासियत होती है इनका मोटा और चमकदार कपड़ा, जो इन्हें पहनने पर बहुत आरामदायक महसूस होता है। तसर सिल्क साड़ियों पर हाथ से चित्रकारी की जाती है, जिससे इनकी सुंदरता और भी बढ़ जाती है।

आकर्षक दिखने पहनें पारंपरिक भारतीय पोशाक पटियाला सूट, अपनायें ये टिप्स

पटियाला सूट एक पारंपरिक भारतीय पोशाक है, जो न केवल आरामदायक है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती हैं। यह हर मौसम में पहनने के लिए आदर्श है क्योंकि यह हवा को अच्छी तरह से लगने देता है। पटियाला सूट में ढीली सलवार और लंबी कमीज होती है, जो इसे खास बनाती हैं। आज हम आपको कुछ जरूरी सुझाव देंगे, जिनसे आप अपने पटियाला सूट को और भी आकर्षक बना सकती हैं।

सही कपड़े का चयन करें : पटियाला सूट के लिए सही कपड़े का चयन बहुत जरूरी है। गर्मियों में सूती कपड़े सबसे अच्छे होते हैं क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोख लेते हैं। इसके अलावा ये हल्के होते हैं, जिससे पहनने में आरामदायक महसूस होता है। आप चाहें तो हल्के और मुलायम कपड़े का भी चयन कर सकती हैं, जो स्टाइलिश दिखते हैं और पहनने में भी आरामदायक होते हैं।

रंगों का मेल मिलाएं

रंगों का मेल मिलाना पटियाला सूट को और भी खास बना सकता है। आप विपरीत रंगों का चयन कर सकती हैं, जैसे नीला कमीज और पीली सलवार। इससे आपका लुक निखर कर आएगा। इसके अलावा आप एक ही रंग के अलग-अलग शेड्स का भी उपयोग कर सकती हैं, जो बहुत ही आकर्षक दिखते हैं। रंगों का सही मेल आपके व्यक्तित्व को और भी उजागर करेगा और आपको भीड़ से अलग दिखाएगा।

कढ़ाई और डिजाइन पर ध्यान दें : कढ़ाई और डिजाइन पटियाला सूट को और भी आकर्षक बना सकते हैं। अगर आपकी कमीज पर हल्की कढ़ाई हो तो वह बहुत ही सुंदर लगेगी। आप चाहें तो प्रिंटेड कपड़े का भी चयन कर सकती हैं, जिसमें फूलों या ज्योमेट्रिक डिजाइन हों। इसके अलावा आप कढ़ाई वाले दुपट्टे का भी उपयोग कर सकती हैं, जो आपके लुक को पूरा करेगा। कढ़ाई और डिजाइन का सही मेल आपके पटियाला सूट को खास बनाएगा और आपको एक अलग पहचान देगा।

त्योहारों पर कपड़ों के साथ चुनें ऐसी जूतियां पहनने में हों आरामदायक और लगें खूबसूरत

त्योहारों का सीजन आते ही हर कोई खास दिखने की चाहत रखता है और इस दौरान कपड़ों के साथ-साथ जूतों का चयन भी अहम हो जाता है। पारंपरिक कपड़ों के साथ जूतियों का मेल बैठाना जरूरी होता है ताकि आपका पूरा लुक आकर्षक लगे। आइए आज हम आपको ऐसी जूतियों के बारे में बताते हैं, जो पारंपरिक कपड़ों के साथ अच्छी लगती हैं और त्योहारों के मौसम में आपको स्टाइलिश लुक दे सकती हैं।

मोहरी जूती : मोहरी जूती पंजाब की एक पारंपरिक जूती है, जो अपने खास डिजाइन और आरामदायक होने के लिए जानी जाती है। ये जूती चमड़े से बनी होती हैं और इन पर हाथ से कढ़ाई की जाती है, जिससे इनका लुक बेहद

आकर्षक लगता है। मोहरी जूती को आप किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ पहन सकते हैं और यह आपके पूरे लुक को एक शाही अंदाज देती है। इसलिए त्योहारों के मौसम में ये जूती बहुत लोकप्रिय हैं।

ब्लॉक प्रिंट वाली जूती : ब्लॉक प्रिंट वाली जूती भी एक बेहतरीन विकल्प हैं, जो न केवल आरामदायक होती हैं बल्कि फैशनेबल भी लगती हैं। इन जूतियों पर ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीक से डिजाइन बनाए जाते हैं, जिससे इनका लुक बहुत ही खास लगता है। ये जूती सूती कपड़े से बनी होती हैं और इन्हें किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ पहना जा सकता है। इनकी खासियत यह है कि ये न केवल देखने में अच्छी लगती हैं बल्कि पहनने में भी आरामदायक होती हैं।

सजावटी जूती : सजावटी जूती उन लोगों के लिए आदर्श होते हैं, जो अपने जूतों में थोड़ा ग्लैमर जोड़ना चाहते हैं। इन जूती पर मोती, सितारे या अन्य सजावटी तत्व लगाए जाते हैं, जो इन्हें और भी आकर्षक बनाते हैं। ये जूती किसी भी पारंपरिक कपड़े के साथ अच्छे लगते हैं और आपके पूरे लुक को खास बना सकते हैं।

कार्नर न्यूज

पहनावे में भी देशभक्ति की झलक दिखाना एक सुंदर विचार हो सकता है

स्वतंत्रता दिवस पर ऑफिस पार्टी के लिए अपनाएं ये आउटफिट आइडियाज, दिखें स्टाइलिश

हर भारतीय के लिए 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस एक गर्व और उत्साह से भरा दिन होता है। इस खास मौके पर न सिर्फ ध्वजारोहण और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। ऐसे में अगर आप ऑफिस जा रहे हैं तो अपने पहनावे में भी देशभक्ति की झलक दिखाना एक सुंदर विचार हो सकता है। ऑफिस के लिए आप ऐसे आउटफिट चुन सकते हैं जो दिखने में प्रोफेशनल हों, लेकिन साथ ही उनमें तिरंगे के रंगों की हल्की झलक भी हो। यहां हम आपको दफ्तर के लिए कुछ आउटफिट के विकल्प बताने जा रहे हैं।

महिलाओं के लिए तिरंगा सूट

महिलाओं के लिए सबसे पहला विकल्प ऐसा तिरंगा सूट है। इसके लिए आपको हरे रंग की पायजामी पहननी है, और उसके साथ सफेद रंग का कुर्ता करना है। इन दोनों चीजों के साथ जब आप केसरिया रंग का दुपट्टा कैरी करेंगी तो आपका लुक सबसे अच्छा और प्यारा लगेगा। इसके साथ अपने बालों को खुला रखें, ताकि आपका लुक और भी प्यारा दिखे।

सफेद रंग की साड़ी के साथ बिंदी-ज्वेलरी

ऑफिस में कुछ अलग सा कैरी करना है, तो आप चिकनकारी सफेद रंग की साड़ी कैरी कर सकती हैं। सफेद रंग की साड़ी देखने में काफी क्लासी लगती है। इसके साथ पर्ल वाला चोकर कैरी करें। पर्ल वाली ज्वेलरी देखने में काफी खूबसूरत लगता है। माथे पर छोटी सी केसरिया रंग की बिंदी आपकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देगी।

हरे रंग का अंगरखा सूट सबसे आरामदायक

कुछ हैवी लेकिन आरामदायक पहनने का मन है तो ऐसा हरे रंग का अंगरखा सूट पहनें। ये देखने में अच्छा लगेगा और पूरा दिन इसे पहनकर रखने में आपको किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। इसके साथ अपने बालों को कर्ल करके खुला छोड़े, ताकि लुक और भी प्यारा दिखे।

फ्लोरल प्रिंट व कुर्ता पायजामा

सिंपल सफेद कुर्ता पायजामा पहनने का मन नहीं है तो ऐसा फ्लोरल प्रिंट का कुर्ता पायजामा भी आप कैरी कर सकते हैं। इस तरह का कुर्ता पायजामा आपको बड़ी आसानी से बाजार में भी मिल जाएगा। बस इसे खरीदते समय ध्यान रखें कि इसमें ज्यादा प्रिंट न हो वरना इसका लुक बिगड़ जाएगा।

धोती-कुर्ता में भी लगेंगे बेहतर

एथनिक आउटफिट में एक दम पारंपरिक टच जोड़ना चाहते हैं तो इस तरह का धोती कुर्ता कैरी करें। ये देखने में भी क्लासी लगेगा और इसे पहनकर आपका लुक भी अच्छा दिखेगा। इसके साथ पैरों में कोल्हापुरी चप्पल पहनें, ताकि आपका लुक पारंपरिक दिखे।

ज्योतिष

मंगल करेंगे अपने ही घर में प्रवेश, इनकी पलट सकती है किस्मत

वैदिक ज्योतिष अनुसार मंगल ग्रह लगभग एक राशि से दूसरी राशि में 18 महीने बाद राशि परिवर्तन करते हैं। आपको बता दें कि सितंबर में भूमिपुत्र मंगल ग्रह अपनी स्वराशि वृश्चिक में प्रवेश करने जा रहे हैं। जिससे कुछ राशियों का भाग्य चमक सकता है। साथ ही इन राशियों को प्रापर्टी और वाहन का सुख प्राप्त हो सकता है। आइए जानते हैं ये भाग्यशाली राशियां कौन सी हैं।

सिंह राशिः मंगल ग्रह का राशि परिवर्तन सिंह राशि के लोगों को अनुकूल सिद्ध हो सकता है। क्योंकि मंगल ग्रह आपकी राशि से प्रापर्टी और भौतिक सुख के स्थान पर भ्रमण करने जा रहे हैं। इसलिए इस अवधि में आप प्रापर्टी खरीद सकते हैं। जमीन- जायदाद के क्रय- विक्रय से लाभ होगा। साथ ही इस समय पैतृक संपत्ति का भी आपको लाभ मिल सकता है। वहीं आपके माता के साथ संबंध मजबूत रहेंगे।

कुंभ राशि : आप लोगों के लिए मंगल ग्रह का राशि परिवर्तन करियर और कारोबार के लिहाज से लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। क्योंकि मंगल ग्रह इस दौरान आपकी गोचर कुंडली के कर्म भाव पर संचरण करेंगे। इसलिए इस समय आपको काम- कारोबार में खास तरक्की मिल सकती है। वहीं जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उनको नौकरी मिल सकती है। लंबी दूरी की यात्राएं फायदेमंद रहेंगी। पिता या गुरु से सहायता मिल सकती है।

तुला राशि : आप लोगों के लिए मंगल ग्रह का गोचर सकारात्मक सिद्ध हो सकता है क्योंकि मंगल ग्रह आपकी राशि से धन और वाणी स्थान पर संचरण करेंगे। इस दौरान आपको समय- समय पर आकस्मिक धनलाभ के योग बनेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध काफी मधुर होंगे। पार्टनरशिप के काम में आपको लाभ के योग बनेंगे। साथ ही संचार और मीडिया से जुड़े लोगों के लिए यह समय विशेष रूप से अच्छा रहेगा।

जन्माष्टमी बाद इन राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

वैदिक पंचांग के अनुसार जन्माष्टमी के अगले दिन 17 अगस्त को ग्रहों के राजा सूर्य देव नक्षत्र परिवर्तन करने जा रहे हैं। आपको बता दें कि सूर्य देव मघा नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इस नक्षत्र पर केतु ग्रह का आधिपत्य है। ऐसे में सूर्य देव के केतु के नक्षत्र में प्रवेश का प्रभाव सभी राशियों पर देखने को मिलेगा। लेकिन 3 राशियां ऐसी हैं, जिनके अच्छे दिन शुरू हो सकते हैं।

सिंह राशिः आप लोगों इस समय आकस्मिक धनलाभ हो सकता है। साथ ही करियर में नए अवसर मिल सकते हैं। वहीं शादीशुदा लोगों का दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। साथ ही नौकरी-व्यवसाय में तरक्की होगी। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा और परिवार में मांगलिक कार्य हो सकते हैं। अविवाहित लोगों के लिए विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं।

वृश्चिक राशि : सूर्य ग्रह का नक्षत्र परिवर्तन से आपकी आय में जबरदस्त बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही आय के नए- नए स्त्रोत से आप धन कमा सकते हैं। वहीं नौकरीपेशा जातकों को ऑफिस के खर्चे पर लंबी दूरी की यात्रा के दौरान आपको बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। साथ ही इस दौरान आपके रुके हुए कार्य पूरे होंगे। वहीं आपको संतान से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

धनु राशिः सूर्य देव का नक्षत्र परिवर्तन के दौरान आप किसी धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। साथ ही इस दौरान आपकी लव लाइफ अच्छी रहेगी। आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। वहीं आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। साथ ही जिन लोगों का खुद का बिजनेस है, उनका मुनाफा बढ़ेगा। घर में सुख और समृद्धि का आगमन होगा।

कई लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हैं चाय

दूध वाली या काली चाय नहीं स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं कई तरह की हर्बल चाय

चाय कई लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। कुछ लोग दूध और चीनी वाली चाय पसंद करते हैं, वहीं कुछ लोग बिना दूध की चाय पीना पसंद करते हैं। हालांकि, सेहत को ध्यान में रखते हुए दूध और चीनी वाली चाय को छोड़ना चाहिए और इसकी जगह हर्बल चाय को शामिल करना चाहिए। आइए आज हम आपको पांच ऐसी हर्बल चाय के बारे में बताते हैं, जो कई फायदे देंगी।

पुदीने की चाय

पुदीने की चाय पाचन क्रिया को आराम देने, सूजन को कम करने और पेट की समस्याओं को कम करने में मदद कर सकती है। इसके अलावा यह पेट को ठंडक पहुंचाने और पेट की मांसपेशियों को आराम देने में भी मदद कर सकती है। पुदीने की चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी गर्म करें, फिर इसमें पुदीने की पत्तियां डालें। इसके बाद पानी को एक कप में डालकर इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

अदरक की चाय

अदरक की चाय में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर के अंदरूनी दर्द को कम कर सकते हैं। इसके अलावा अदरक की चाय गले की खराश और सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद कर सकती है। अदरक की चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी गर्म करें, फिर इसमें थोड़ी कद्दूकस की हुई अदरक डालकर इसे 5-7 मिनट तक पकाएं। समय पूरा होने के बाद चाय को छानकर इसका सेवन करें।

दालचीनी की चाय

दालचीनी की चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक कप पानी गर्म करें, फिर इसमें थोड़ी दालचीनी डालकर इसे 5-10 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को एक कप में छानकर शहद मिलाकर पीएं। यह चाय कई प्रकार के गुणों से भरपूर होती है, जो कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। दालचीनी की चाय का सेवन आपको तरोताजा महसूस करवा सकता है।

मेथी की चाय

मेथी की चाय को बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में एक कप पानी गर्म करें, फिर इसमें एक चम्मच मेथी के बीज डालकर इसे 5-10 मिनट तक पकाएं। इसके बाद इस मिश्रण को एक कप में छानकर शहद मिलाकर पीएं। यह चाय कई प्रकार के गुणों से भरपूर होती है, जो कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। मेथी की चाय का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है।

रोजाना एक नींबू का सेवन करने से मिलते हैं अनेक फायदे, ट्राई करके देखें

नींबू एक ऐसा फल है, जो न केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें विटामिन-सी, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फाइबर जैसे अहम तत्व होते हैं। रोजाना एक नींबू खाने से शरीर को कई लाभ मिल सकते हैं। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने से लेकर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने तक कई काम कर सकता है। आइए जानते हैं कि रोजाना एक नींबू खाने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक : नींबू में विटामिन-सी की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर की सुरक्षा करने की ताकत को मजबूत करने में मदद करता है। यह विटामिन सफेद रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाता है, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होते हैं। इसके अलावा नींबू का रस पीने से शरीर में ऐसे तत्व भी बढ़ते हैं, जो हमें बीमारियों से बचाने में सहायक होते हैं। इसलिए रोजाना एक नींबू का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है।

वजन नियंत्रित करने में है प्रभावी : नींबू में मौजूद फाइबर हमारे पेट को भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे हमें बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती। इसके अलावा नींबू में एक खास प्रकार का फाइबर भी होता है, जो हमारी भूख को नियंत्रित करने में मदद करता है।

पूर्वी भारत की इन मिठाइयों को चखते ही तृप्त हो जाएगा मन

त्योहारों का मतलब ही होता है ढेर सारी लजीज मिठाइयों का आनंद लेना। हालांकि, हमेशा एक जैसी मिठाइयां खा कर मन ऊब जाता है और कोई नया स्वाद चखने का दिल करता रहता है। ऐसे में आप त्योहारों पर घर आए मेहमानों और घर वालों को परोसने के लिए पूर्व भारत की ये मिठाइयां बना सकते हैं। इन सभी का स्वाद बेहतरीन होता है, जो जुबान के साथ-साथ मन को भी तृप्त कर देती हैं। आइए इनकी रेसिपी जानते हैं।

छेना पोड़ा : छेना पोड़ा ओडिशा की एक प्रसिद्ध मिठाई है, जो त्योहारों पर बनाई जा सकती है। इसे ताजे पनीर यानि छेने से तैयार किया जाता है, जिसमें चीनी और सूखे मेवे मिलाकर उसे बेक किया जाता है। इसका स्वाद चीजकेक जैसा होता है, लेकिन इसमें भारतीय मिठास का बेहतरीन स्पर्श शामिल होता है। इसे धीमी आंच पर पकाया जाता है, ताकि यह बाहर से करारा और अंदर से मुलायम रहे।

घर की टाइल्स को चमकाने के लिए इस्तेमाल करें रसोई में मौजूद ये सामग्रियां

आजकल प्रायः हर घर में टाइल्स लगी होती हैं उन्हें साफ करते-करते ही थक जाते हैं। आम तौर पर इसके लिए लोग बाजार में मिलने वाले रसायन युक्त उत्पादों का ही इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, हम आज के लेख में आपको टाइल्स चमकाने का किफायती तरीका बताने जा रहे हैं। आपकी रसोई में कई ऐसी सामग्रियां मौजूद हैं, जो केवल खान-पान में ही नहीं, बल्कि टाइल्स की चमक लौटने में भी काम आ सकती हैं।

बेकिंग सोडा

कई बार खाना बनाते-बनाते रसोई की टाइल्स चिकनी हो जाती हैं और ऐसा ही बाथरूम की टाइल्स के साथ भी होता है। ऐसे में आप बेकिंग सोडा का इस्तेमाल करके उन्हें नए जैसा चमका सकते हैं। यह टाइल की सतह को नुकसान पहुंचाए बिना दागों को हटा देगा और चिकनाई भी मिटा देगा। एक कटोरी में 2 चम्मच बेकिंग सोडा और 2 चम्मच पानी मिलाकर घोल बनाएं। इसे टाइल्स पर लगाकर उन्हें घिसें और पानी से धो लें।

नमक

नमक तो हर किसी की रसोई में मौजूद होता है, जिसकी मदद से टाइल्स साफ की जा सकती हैं। यह सामग्री खास तौर से चिकनी और चिपचिपी सतह को साफ करने में मदद करती है। इसके लिए नमक को सीधा गंदी टाइल्स के ऊपर ही छिड़क दें। अब नींबू के टुकड़े या गीले कपड़े ही मदद से टाइल्स को हल्के हाथों से स्क्रब करें। जब गंदगी साफ हो जाए और दाग-धब्बे दूर हो जाएं तब पानी डालकर धो लें।

नींबू का रस

नींबू का रस टाइल्स से तेल के छींटे, दाग और चिकनाई हटाने के लिए उपयोगी साबित हो सकता है। इतना ही नहीं, यह सामग्री दुर्गंध को दूर करने के लिए भी बेहतरीन होती है। इसमें मौजूद प्राकृतिक साइट्रिक एसिड चिकनाई को हटाता है और कीटाणुनाशक का काम भी करता है। एक कटोरी में नींबू का रस और और गर्म पानी मिलाकर घोल बनाएं। इस घोल को टाइल्स पर डालें और उन्हें रगड़कर साफ कर लें।

लहसुन का छिलका

लहसुन तो भारतीय खान-पान में रोजाना इस्तेमाल होता है। हालांकि, हम सभी उसके छिलकों को बेकार समझकर कचरे के डिब्बे में फेंक देते हैं। इस बार लहसुन छीलने के बाद उसके छिलकों को फेकें नहीं, बल्कि टाइल्स साफ करने के लिए इस्तेमाल करें।